RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

चंदा पिछलों ने अजी, जबरन किया वसूल।
लेकिन दे जाते हमें, खुद ही ये तिल-फूल।
खुद ही ये तिल-फूल, हमारा वादा पक्का।
पहुंचा जाओ स्वयं, करेंगे हम ना धक्का।
कह साहिल कविराय, रखा है ढीला फंदा।
जबरन किया वसूल, कभी ना हमने चंदा।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 155 | MONDAY 15-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

शहर में बुकियों और हवाला कारोबारियों का बोलबाला, बड़े सत्र पर चल रहा हवाले का कारोबार, क्या शिकंजा कस पाएगा प्रशासन

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। लुधियाना शहर में बुकियों का बोलबाला लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात यह है कि अब बुकियों ने शहर के प्रमुख स्थानों पर अपने ऑफिस खोलकर अपने कारोबार को बढ़ाना शुरू कर दिया है। चर्चा है कि बुकियों द्वारा अपने पैसे को बैटिंग, गेमिंग के अलावा दूसरे कामों में इन्वेस्ट करना शुरू कर दिया है। जिसके चलते उनकी और से सोना, इलेक्ट्रानिक सामान व अन्य चीजों में इन्वेस्टमेंट की जा रही है। इसी के साथ साथ शहर में हवाला का कारोबार भी जोरो पर है। चर्चा है कि गुडमंडी में कई व्यापारियों द्वारा बड़े लेवल पर हवाले का कारोबार किया जा रहा है। चर्चा है कि एक दिन पहले ही जांच एजेंसियों द्वारा इन हवाला कारोबारियों पर रेड भी की गई। जहां से करीब चार लोगों को हिरासत में लिया गया था। उनसे भारी मात्रा में कैश भी बरामद होने की चर्चाएं हैं। हालांकि अभी तक जांच एजेंसी अधिकारियों ने मामले संबंधी कोई खुलासा नहीं किया है।

लंबे समय से कर रहे थे हवाले का कारोबार

चर्चा है कि गुडमंडी इलाके में मौजूद चारों कारोबारियों द्वारा लंबे समय से हवाले का कारोबार किया जा रहा था। उनकी और से शहर में ही अलग अलग बिजनेस में अपनी इन्वेस्टमेंट भी कर रखी है। यह भी चर्चा है कि जांच एजेंसी द्वारा चारों को पकड़ने के बाद दो को ही सामने रखा है। अब इसमें क्या खेल किया जा रहा है, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

फिरोजगांधी मार्केट में ट्रेडिंग का हो रहा कारोबार

वहीं बता दें कि फिरोजगांधी मार्केट में भी अवैध ट्रेडिंग का कारोबार धड़ल्ले से होने की चचार्ए हैं। चर्चा है कि कुछ नौसरबाजों को पहले पुलिस गिरफ्तार भी कर चुकी है। चर्चा है कि ट्रेडिंग का कारोबार करने वाले उक्त लोगों द्वारा जनता को पैसा इन्वेस्ट करके डब्बल होने का लालच दिया जाता है। जिसके बाद ठगी कर ली जाती है। जल्द इस मामले में बड़े खुलासे किए जाएंगे।

टैक्स चोरी करने के आरोप में एक करियाना व्यापारी गिरफ्तार

नमक मंडी में टैक्स चोरी करने वाले एक करियाना व्यापारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना कोतवाली की पुलिस ने गुरदेव एन्क्लेव के पंकज कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के मुताबिक पंकज कुमार की दर्शन सिंह एंड संस के नाम से करियाने की दुकान है। जहां पर आरोपी द्वारा जाली रसीदें तैयार करके टैक्स चोरी करके सरकारी खजाने को चूना लगाया जा रहा था।

ज्वेलरी में इन्वेस्ट हो रहा पैसा

चर्चा है कि कुछ बुकियों व हवाला कारोबारियों द्वारा अपना पैसा ज्वेलरी में इन्वेस्ट किया जा रहा है। उनकी तरफ से थोड़ी कम कीमत पर सोना खरीदकर कम मार्जन रखकर आगे बेच दिया जा रहा है। बुकियों द्वारा जमकर पैसा कमाने के बाद अब अपने परिवार व दोस्तों संग महंगे विदेशी टूर तक लगाए जा रहे हैं।

विदेशों में हो रही इन्वेस्टमेंट

वहीं इसी के साथ साथ पुरानी कोतवाली एरिया के कई मोबाइल असेंसरी व्यापारियों द्वारा बड़ा हेरफेर किया जा रहा है। उनकी तरफ से टैक्स चोरी करके मोटी कमाई की जा रही है। चर्चा है कि कुछ व्यापारियों द्वारा तो अपना पैसा विदेश में इन्वेस्ट किया जा रहा है। वहां पर महंगी प्रॉपर्टियां खरीदी जा रही है। इसी के साथ साथ एक मोबाइल असेंसरी व्यापारी ने हाल ही में सोना-चांदी के उतार चढ़ाव के दौरान भारी मात्रा में सोना खरीदा है। बेशक दिखाने को वे व्यापारी कर्जदार है, लेकिन अंदरखाते बड़ी गेम कर रहे हैं।

DNA टेस्ट में जुड़वां बच्चों के साथ कोई जेनेटिक संबंध न मिलने पर गुरुग्राम के एक जोड़े ने IVF में गड़बड़ी का आरोप लगाया

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। गुरुग्राम के एक जोड़े ने IVF प्रक्रिया के दौरान गंभीर गड़बड़ी का आरोप लगाया है। DNA टेस्ट से पता चला है कि उनकी जुड़वां बेटियों का माता-पिता में से किसी के साथ भी बायोलॉजिकल संबंध नहीं है, जिससे फर्टिलिटी ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल में संभावित चूक पर सवाल उठ रहे हैं। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जोड़े के अनुसार, परिवार बढ़ाने का फैसला करने के बाद उन्होंने 2025 में दिल्ली के एक फर्टिलिटी क्लिनिक में इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) ट्रीटमेंट करवाया। महिला ने जनवरी 2026 में जुड़वां बेटियों को जन्म दिया और परिवार ने शुरू में ट्रीटमेंट के सफल नतीजे का जश्न मनाया। हालांकि, माता-पिता ने

बताया कि जन्म के कुछ समय बाद ही उन्हें शक होने लगा क्योंकि बच्चों की शक्ल परिवार में किसी से भी नहीं मिल रही थी। सच्चाई जानने के लिए उन्होंने जुड़वां बच्चों का DNA टेस्ट करवाया। नतीजों से पता चला कि किसी भी बच्चे का माता-पिता में से किसी के साथ बायोलॉजिकल संबंध नहीं था। दूसरे DNA टेस्ट में भी यही नतीजे सामने आए। परिवार का आरोप है कि दो संभावनाओं में से कोई एक बात हुई होगी: या तो IVF प्रक्रिया के दौरान किसी दूसरे जोड़े के भ्रूण (embryos) इम्प्लांट कर दिए गए, या फिर जन्म के बाद गलती से बच्चों की अदला-बदली हो गई। उन्होंने विस्तृत जांच की मांग की है ताकि पता चल सके कि क्या हुआ था और अगर कोई गलती हुई है तो उनके असली बच्चे कहां हैं।

इस मामले ने काफी चिंता पैदा कर दी है क्योंकि IVF प्रक्रियाओं में अंडे, स्पर्म, भ्रूण और मेडिकल रिकॉर्ड को संभालने के कई चरण शामिल होते हैं, जिसके लिए सख्त पहचान और वेरिफिकेशन प्रोटोकॉल की आवश्यकता होती है। इन सुरक्षा उपायों में किसी भी तरह की चूक के शामिल परिवारों के लिए गहरे भावनात्मक, कानूनी और नैतिक परिणाम हो सकते हैं। शिकायत के बाद, असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (ART) और सरोगेसी फ्रेमवर्क के तहत संबंधित अधिकारियों ने आरोपों की जांच करने और यह पता लगाने के लिए कार्यवाही शुरू कर दी है कि क्या कोई लापरवाही या प्रक्रियात्मक त्रुटि हुई थी।

इस घटना ने फर्टिलिटी क्लीनिकों में निगरानी और क्वालिटी-कंट्रोल सिस्टम पर बहस को फिर से हवा दे दी है। हालांकि IVF ने दुनिया भर में लाखों जोड़ों को बच्चे पैदा करने में मदद की है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रक्रिया बहुत हद तक सख्त ट्रैकिंग सिस्टम पर निर्भर करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर चरण में बायोलॉजिकल मटीरियल की सही पहचान और हैंडलिंग हो।

फर्टिलिटी सेंटर ने अभी तक आरोपों पर सार्वजनिक रूप से विस्तार से कोई जवाब नहीं दिया है। इस बीच, जोड़े का कहना है कि वे उस रहस्य का जवाब ढूंढ रहे हैं जिसने उनकी ज़िंदगी बदल दी है, और एक सवाल उन्हें लगातार परेशान कर रहा है: अगर जुड़वां बच्चे बायोलॉजिकल रूप से उनके नहीं हैं, तो उनके बच्चे कहां हैं?

आयकर विभाग का बड़ा फैसला: वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 'अनिवार्य स्क्रूटनी' (Compulsory Scrutiny) की नई गाइडलाइन्स जारी

GSTAT में अपील की अंतिम तिथि नजदीक: 30 जून 2026 से पहले करें आवेदन; नियमों में हुए बड़े बदलाव, जानें अब क्या होगा आसान

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान आयकर रिटर्न (ITR) की अनिवार्य जांच (Complete Scrutiny) के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग द्वारा जारी इस नए आदेश (F.No.225/56/2026/ITA-II Dated 04/June/2026) के तहत उन करदाताओं की पहचान की जाएगी, जिनके मामलों की गहनता से जांच होना तय है। कर मामलों के विशेषज्ञ एडवोकेट करन चावला ने इस आदेश का विश्लेषण करते हुए बताया कि विभाग ने पारदर्शिता लाने और टैक्स चोरी रोकने के लिए इस बार कुल 6 मुख्य पैरामीटर (Scenario Codes) तय किए हैं। इसके तहत संदिग्ध या बड़े मामलों की जांच सीधे आयकर विभाग के रडार पर होगी।

किन मामलों की होगी अनिवार्य स्क्रूटनी ? (6 मुख्य पैरामीटर)

एडवोकेट करन चावला ने बताया कि विभाग ने निम्नलिखित श्रेणियों को अनिवार्य जांच के दायरे में रखा है:

- **सर्वे के मामले (CS 01) :** जिन करदाताओं के परिसर में 1 अप्रैल 2024 को या उसके बाद आयकर अधिनियम की धारा 133अ के तहत सर्वे किया गया था, उनके रिटर्न की अनिवार्य जांच होगी।
- **सर्च और जब्ती के मामले (CS 02):** जिन मामलों में 1 अप्रैल 2024 के बाद धारा 132 के तहत तलाशी (SeÔrch) या धारा 132अ के तहत जब्ती की कार्रवाई की गई है, वे इस दायरे में आएंगे।
- **धारा 148 के तहत नोटिस (CS 03):** ऐसे मामले जहां टैक्स असेसमेंट दोबारा खोलने के लिए धारा 148 के तहत नोटिस जारी किए गए हैं और जिनकी समयसीमा 31 मार्च 2027 या उससे पहले समाप्त हो रही है।
- **पंजीकरण/मंजूरी रद्द होने के मामले (CS 04):** धार्मिक, धर्मार्थ ट्रस्ट या संस्थान (जैसे धारा 12A, 12AB, 10(23C) के तहत) जिनकी मान्यता 31 मार्च 2025 या उससे पहले रद्द कर दी गई थी, लेकिन फिर भी उन्होंने ITR-7 में टैक्स छूट का दावा किया है।
- **पुरानी टैक्स गड़बड़ी/समान कानूनी मुद्दे (CS 05):** यदि पिछले वर्षों में किसी करदाता की आय में ₹50 लाख (8 मेट्रो शहरों में) या ₹20 लाख (गैर-मेट्रो शहरों में) से अधिक की राशि जोड़ी (Addition) गई थी और वह मामला अंतिम रूप ले चुका है या विभाग के पक्ष में आ चुका है।
- **टैक्स चोरी की पुख्ता जानकारी (CS 06):** यदि किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी (जैसे प्रर्वतन निदेशालय, इंटेलिजेंस विंग आदि) द्वारा किसी करदाता के खिलाफ टैक्स चोरी की विशिष्ट जानकारी दी गई है।

30 जून 2026 है आखिरी तारीख

महत्वपूर्ण सूचना: एडवोकेट करन चावला के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान दाखिल किए गए आयकर रिटर्न के लिए धारा 143(2) के तहत स्क्रूटनी का नोटिस भेजने की अंतिम समयसीमा 30 जून 2026 तय की गई है। आयकर अधिकारियों को इस तारीख से पहले नोटिस तामिल कराना अनिवार्य होगा।

अधिकारियों को सख्त निर्देश

सीबीडीटी ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई मामला 'सेंट्रल चार्ज' (Central Charges) से बाहर का है, तो नोटिस जारी होने के 15 दिनों के भीतर उसे संबंधित सेंट्रल चार्ज में ट्रांसफर करना होगा। अंतरराष्ट्रीय कराधान (International Taxation) और सेंट्रल चार्ज के मामले पहले की तरह ही संभाले जाएंगे।

करदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने टैक्स मामलों और खातों को दुरुस्त रखें। यदि किसी को भी अपने रिटर्न या नोटिस से संबंधित कोई संशय हो, तो वह समय रहते कानूनी विशेषज्ञ से सलाह ले सकता है।

लुधियाना। देश में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) लागू होने के लगभग 8 साल बाद आखिरकार GST अपीलीय न्यायाधिकरण (GSTAT) पूरी तरह से चालू हो गया है। इससे पहले टैक्सपेयर्स को अपनी दूसरी अपील के लिए सीधे हाई कोर्ट का रुख करना पड़ता था, जिससे कानूनी प्रक्रिया लंबी और खर्चीली हो जाती थी। अब GSTAT के रूप में टैक्सपेयर्स को एक बड़ा मंच मिला है, लेकिन इसके लिए समय-सीमा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। प्रसिद्ध कानूनी विशेषज्ञ एडवोकेट करन चावला ने टैक्सपेयर्स और प्रोफेशनल्स के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अपील दाखिल करने की आखिरी तारीख और स्क्रूटनी (दस्तावेजों की जांच) की तारीखों के बीच किसी भी तरह का भ्रम आपके अपील करने के अधिकार को हमेशा के लिए खत्म कर सकता है।

दो तारीखों का भ्रम पड़ सकता है भारी

एडवोकेट करन चावला के अनुसार, इस समय दो तारीखें चर्चा में हैं जिन्हें लेकर अक्सर लोग भ्रमित हो रहे हैं :

30 जून 2026 : यह GSTAT में अपील दाखिल करने की अंतिम वैधानिक तारीख (Statutory Deadline) है।

31 दिसंबर 2026 : यह तारीख केवल पोर्टल पर स्क्रूटनी के दौरान मिलने वाली ढील (Leniency) के लिए है।

महत्वपूर्ण नोट : अपील फाइल करने की आखिरी तारीख 30 जून 2026 ही है और इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। 31 दिसंबर की तारीख सिर्फ इस बात के लिए है कि इस अवधि तक रजिस्ट्रार दस्तावेजों की जांच में कुछ छूट देंगे और गैर-जरूरी आपत्तियां (Defects) नहीं उठाएंगे।

GSTAT कमेटी की बैठक में नियमों में किए गए बड़े बदलाव (ताजा अपडेट) Dated 10/June/2026

हाल ही में GSTAT के माननीय अध्यक्ष (डॉ.) जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में 'विभिन्न ट्रेड और बार एसोसिएशनों से प्राप्त ज्ञापनों के समाधान के लिए गठित समिति' की तीसरी और चौथी बैठक हाइब्रिड मोड में संपन्न हुई। इस बैठक में GSTAT (प्रक्रिया) नियमावली, 2025 में कई महत्वपूर्ण ढील और संशोधनों को मंजूरी दी गई है, जो टैक्सपेयर्स के लिए बड़ी राहत लेकर आए हैं :

ऑनलाइन अपलोडेड ऑर्डर के लिए 'सर्टिफाइड कॉपी' की जरूरत नहीं : यदि आपके खिलाफ जारी किया गया आदेश कॉमन जीएसटी पोर्टल पर अपलोड है, तो अब अपील के साथ उसकी प्रमाणित प्रति (Certified Copy) लगाना अनिवार्य नहीं होगा।

सेल्फ-अटैस्टेशन को मान्यता : 'सर्टिफाइड कॉपी' (प्रमाणित प्रति) की परिभाषा को आसान बनाते हुए अब खुद अपीलकर्ता (टैक्सपेयर), प्रतिवादी या उनके अधिकृत प्रतिनिधि (Authorised Representative) को भी दस्तावेजों को सत्यापित या प्रमाणित करने का अधिकार दे दिया गया है।

कमियां (Defects) सुधारने के लिए मिला अधिक समय : यदि स्क्रूटनी के दौरान अपील में कोई कमी पाई जाती है, तो रजिस्ट्रार पोर्टल के माध्यम से नोटिस जारी करेगा। अब टैक्सपेयर्स को कमियां ठीक करने के लिए 15 कार्यदिवस (Working Days) का समय मिलेगा (पहले यह केवल 7 दिन था)। कुल मिलाकर इस समय-सीमा को बढ़ाकर 45 दिनों तक किया जा सकेगा और इसके लिए पर्सनल हियरिंग (व्यक्तिगत सुनवाई) का मौका भी मिलेगा।

अंग्रेजी अनुवाद में बड़ी छूट : ट्रिब्यूनल के सामने अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य भाषा के दस्तावेज पेश करने पर उसका अंग्रेजी अनुवाद देना होता था। अब नए नियम के तहत संबंधित बेंच को यह विवेकपूर्ण अधिकार (Discretion) दिया गया है कि वह इस नियम में ढील दे सकती है।

साप्ताहिक कॉज लिस्ट (Weekly Cause List) : कोर्ट में मामलों की दैनिक सूची के बजाय अब साप्ताहिक कॉज लिस्ट जारी की जाएगी, जो पिछले सप्ताह के अंतिम कार्यदिवस पर ही पोर्टल और नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध करा दी जाएगी। इससे वकीलों और टैक्सपेयर्स को तैयारी के लिए पूरा समय मिलेगा। तारीख आगे बढ़ाने (Adjournment) के लिए अलग से इंटरलोकेटरी एप्लिकेशन (IA) दाखिल करना अब अनिवार्य नहीं होगा।

त्रुटि सुधार के लिए कोई फीस नहीं : यदि न्यायाधिकरण (Tribunal) के आदेश में कोई लिपिकीय या गणितीय गलती (Error) है और उसे ठीक कराने के लिए धारा 112(10) के तहत आवेदन किया जाता है, तो उसके लिए कोई फीस नहीं ली जाएगी।

किन मामलों के लिए लागू है यह समय-सीमा?

यह समय-सीमा उन सभी मामलों और आदेशों पर लागू होती है जो 1 अप्रैल 2026 से पहले जारी या कम्युनिकेट किए जा चुके हैं। यदि फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटी (Section 107 के तहत) ने 1 अप्रैल 2026 से पहले आपके खिलाफ कोई आदेश पास किया है, तो आपको 30 जून 2026 तक हर हाल में GSTAT में अपील दर्ज करनी होगी।

GST विवादों के तीन स्तर

GST कानून के तहत मुकदमों के समाधान के लिए तीन मुख्य स्तर निर्धारित किए गए हैं :

Adjudicating Officer (न्यायनिर्णायक अधिकारी) : जहां पहला आदेश पारित होता है।

First Appellate Authority (प्रथम अपीलीय प्राधिकरण) : CGST अधिनियम की धारा 107 के तहत पहली अपील।

GST Appellate Tribunal (GSTAT) : अधिनियम की धारा 109 के तहत गठित यह अंतिम मंच है जहां आपके केस के तथ्यों (Facts) की पूरी जांच की जाती है।

ध्यान रखें : GSTAT ही वह आखिरी मंच है जहां आपके केस से जुड़े तथ्यों पर विस्तार से विचार किया जाता है। इसके बाद हाई कोर्ट में केवल कानून से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्नों (Questions of Law) पर ही विचार किया जाता है, तथ्यों पर नहीं।

भारत का पहला 'फुली डिजिटल ट्रिब्यूनल'

GSTAT की मुख्य पीठ (Principal Bench) नई दिल्ली में स्थित है। इसके अलावा पूरे देश में 44 स्थानों पर 31 स्टेट बेंच बनाई गई हैं। यह भारत का पहला पूरी तरह से डिजिटल न्यायाधिकरण (Fully Digital Tribunal) है, जिससे कागजी कार्रवाई कम होगी, ऑनलाइन वेरिफिकेशन कोड (EVC) या डिजिटल सिग्नेचर से दस्तावेज जमा हो सकेंगे और मामलों का निपटारा तेजी से हो सकेगा।

यदि आपका भी कोई GST मामला लंबित है, तो अंतिम समय की तकनीकी दिक्कतों से बचने के लिए और इन नए सरल नियमों का लाभ उठाने के लिए 30 जून 2026 से पहले अपनी अपील अवश्य दर्ज कराएं।

---

15 जून से लागू होने वाले ई-वे बिल के नए नियम अब 1 अगस्त से होंगे लागू: व्यापारियों को मिली बड़ी राहत

लुधियाना। ई-वे बिल (e-Way Bill) पोर्टल पर होने वाले बड़े बदलावों को लेकर गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क (GSTN) ने व्यापारियों और उद्योगों को एक बड़ी राहत दी है। टैक्स मामलों के एक्सपर्ट एडवोकेट करन चावला ने बताया कि विभाग द्वारा पहले इन बदलावों को 15 जून 2026 से लागू किया जाना था, जिसकी समय-सीमा को अब बढ़ाकर 1 अगस्त 2026 कर दिया गया है।

एडवोकेट करन चावला ने इस संबंध में जारी नई एडवाइजरी के मुख्य बिंदु साझा किए :

क्यों बढ़ी तारीख : व्यापारिक संगठनों और उद्योग जगत की ओर से सरकार को प्रतिवेदन (Representations) भेजे गए थे। व्यापारियों का कहना था कि उन्हें अपने मौजूदा ERP और बिलिंग सॉफ्टवेयर (API) में तकनीकी बदलाव करने, उसकी टेस्टिंग करने और मास्टर डेटा को अपडेट करने के लिए कुछ और समय चाहिए।

सॉफ्टवेयर सुधार के लिए मिला समय : सप्लायर्स, टैक्सपेयर्स, GSPs और ERP प्रोवाइडर्स को इस बदलाव के प्रति पूरी तरह तैयार होने और सिस्टम को स्मूद बनाने के लिए विभाग ने यह अतिरिक्त समय दिया है।

अब 1 अगस्त 2026 से अनिवार्य होंगे ये दो नियम :

'शिप टू' (Ship To) GSTIN : बिल-टू/शिप-टू ट्रांजैक्शंस में जहां माल डिलीवर होना है, वहां का GST नंबर डालना अब 1 अगस्त से अनिवार्य होगा (आम उपभोक्ता होने पर "URP" लिखना होगा)।

स्वैच्छिक ई-वे बिल क्लोजर : माल की डिलीवरी पूरी होते ही पोर्टल या मोबाइल डळढ के जरिए ई-वे बिल को स्वैच्छिक रूप से बंद (Close) करने की सुविधा भी अब 1 अगस्त से ही पोर्टल पर लाइव होगी।

एडवोकेट करन चावला की सलाह

तारीख आगे बढ़ने से व्यापारियों और उनके अकाउंटेंट्स को घबराने की जरूरत नहीं है। इस मिले हुए अतिरिक्त समय का उपयोग अपने बिलिंग सॉफ्टवेयर और ERP सिस्टम को नए नियमों के अनुसार अपडेट और टेस्ट करने के लिए करें, ताकि 1 अगस्त के बाद व्यापार में कोई रुकावट न आए।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 06 मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत जीरकपुर से...

बैंक ट्रांजैक्शन की चर्चा ने खोले कई रसूखदारों के प्रेम प्रसंगों के 'राज', सफाई देने वालों की लगी लाइन

नाम छिपे, किस्से खुले–रसूखदार महिलाओं में भी मची हलचल

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। 'चोर की दाढ़ी में तिनका' कहावत इन दिनों शहर के रसूखदार घरानों में चल रही प्रेम प्रसंगों की चर्चाओं पर सटीक बैठती नजर आ रही है। बीते दिनों एक नामी कारोबारी द्वारा अपनी महिला मित्र को बैंक ट्रांजैक्शन के जरिए लाखों रुपये ट्रांसफर करने की चर्चा सामने आने के बाद शहर के हाई-प्रोफाइल सर्किलों में हलचल तेज हो गई है।

हालांकि इस पूरे मामले में किसी व्यक्ति विशेष या कारोबारी का नाम खुलकर सामने नहीं आया है, लेकिन नाम न आने के कारण अब कई अन्य कथित प्रेम प्रसंग भी चर्चा का हिस्सा बन गए हैं। शहर के सामाजिक और कारोबारी हलकों में लोग अपने-अपने परिचितों से जुड़े किस्सों को इस मामले से जोड़कर देख रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि कई रसूखदार खुद ही सफाई देते नजर आ रहे हैं, जिससे चर्चा और ज्यादा गर्म हो रही है।

बुद्धिजीवियों का मानना है कि जब बिना नाम लिए किसी मामले की चर्चा होती है तो कई लोग खुद को उससे जोड़कर स्पष्टीकरण देने लगते हैं। यही स्थिति इस समय शहर के कई हाई-प्रोफाइल परिवारों में देखने को मिल रही है।

दिलफेंक आशिक से परेशान होकर कोर्ट-कचहरी तक पहुंचा मामला...बीते दिनों महिला मित्र को बड़ी राशि ट्रांसफर करने की चर्चा के बाद कई अन्य रसूखदारों प्रेम प्रसंग किस्से भी सामने आने लगे हैं। इनमें ज्यादातर मामले शहर के नए रिहायशी और हाई-प्रोफाइल इलाकों से जुड़े बताए जा रहे हैं। सामाजिक हलकों में यह भी चर्चा है कि अपनी दिलफेंक आशिकी के लिए अक्सर चचाओं में रहने वाले एक रईसजादे के लगातार प्रेम प्रसंगों से तंग आकर परिवार वालों ने कोर्ट-कचहरी का रुख कर लिया है। हालांकि इस मामले में कितनी सच्चाई है यह तो भगवन ही जनता है। लेकिन शहर के प्रभावशाली सर्किलों में यह मुद्दा खूब चर्चा में है।

बिजनेस ग्रोथ के नाम पर ग्लैमर, दिखावे और फजीर्वाड़े की एंट्री...चचाओं के अनुसार, कभी बिजनेस नेटवर्किंग और सामाजिक संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू हुए इंटरनेशनल सोशल लाइजिंग क्लब अब कई लोगों के लिए ग्लैमर, दिखावे ,फजीर्वाड़े की एंट्री और प्रेम प्रसंगों के प्लेटफार्म बनते जा रहे हैं। इन क्लबों में कारोबारी, उद्योगपति और हाई-प्रोफाइल परिवारों से जुड़े लोग आपसी तालमेल, बिजनेस ग्रोथ, मीटिंग, पार्टियों, ड्रेस कोड, डेस्टिनेशन ट्रैवलिंग और सामाजिक नेटवर्किंग के नाम पर एक-दूसरे के करीब आते हैं। मूल उद्देश्य भले ही बिजनेस नेटवर्किंग और पर्सनैलिटी ग्रोथ हो, लेकिन चर्चा है कि कुछ तथाकथित दिलफेंक रसूखदारों ने इन मंचों को अपनी सुविधा के अनुसार निजी प्रेम प्रसंगों का प्लेटफार्म बना लिया है। यही कारण है कि अब शहर में सवाल उठने लगे हैं कि क्या ऐसे क्लब वास्तव में बिजनेस ग्रोथ का माध्यम हैं या फिर कुछ लोगों के लिए दिखावे, निजी मेल-जोल और कथित प्रेम प्रसंगों का सुरक्षित मंच बनते जा रहे हैं।

'रिलेशनशिप ऑफ कन्वीनियंस' का ट्रेंड?...शहर के रसूखदार घरानों में कथित प्रेम प्रसंगों की चचाएं अब सामाजिक चिंता का विषय बनती जा रही हैं। चर्चा है कि कुछ तथाकथित रसूखदार अपने निजी विवादों को छिपाने के लिए महिलाओं को भी साथ मिला रहे हैं। चर्चा है कि बिजनेस नेटवर्किंग और सोशल मीटिंगों के नाम पर नजदीकियां बढ़ रही हैं और ह्लरिलेशनशिप ऑफ कन्वीनियंसह्व जैसा ट्रेंड समाज में जगह बना रहा है। चर्चा यह भी है कि आधुनिकता और खुलेपन के नाम पर महिलाओं को भी ऐसे रिश्तों के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। शायद यही कारण है कि कथित प्रेम प्रसंगों में महिलाएं भी पुरुषों की बराबरी करती दिख रही हैं। हालांकि इन चचाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

शहर के बाहरी इलाकों में शिफ्ट हो रहे हाई-प्रोफाइल परिवार...चर्चा है कि लगातार सामने आ रहे प्रेम प्रसंगों और पारिवारिक विवादों के चलते अब कुछ सूझवान और संपन्न परिवार शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों से बाहर बड़े-बड़े बंगलों में शिफ्ट हो रहे हैं। बाहरी इलाकों में बने एकड़-दो एकड़ में फैले बंगलों को मेल जोल बढ़ाने के लिए अधिक सुरक्षित और निजी माना जा रहा है। इन इलाकों में चहल-पहल कम होने के कारण तोता मैना का मेल जोल आसान रहता है और यदि कभी कोई देख ले या पारिवारिक विवाद हो भी जाए तो उसकी भनक ज्यादा लोगों को नहीं लगती । चर्चा है कि कुछ परिवारों ने इसी कारण अपनी रिहाइश का पैटर्न बदला है ताकि निजी जिंदगी पर समाज की नजर कम रहे।

मुख्यमंत्री माताएं-बहनें सत्कार योजना को लेकर लुधियाना में जागरूकता कैंप आयोजित

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। पंजाब सरकार की ओर से महिलाओं और लड़कियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही मुख्यमंत्री माताएं-बहनें सत्कार योजना के तहत लुधियाना जिले में विभिन्न स्थानों पर ट्रेनिंग और जागरूकता कैंपों का आयोजन किया गया। ये कैंप जिला प्रशासन लुधियाना और सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयासों से लगाए गए। जिला प्रोग्राम अधिकारी गुरमीत सिंह की अगुवाई में आयोजित इन कैंपों में महिलाओं और लड़कियों को योजना के उद्देश्य, पात्रता, जरूरी दस्तावेजों और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कैंपों के दौरान बताया गया कि योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की योग्य महिलाओं और लड़कियों को आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाएगी।

योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग की पात्र महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह और जनरल वर्ग की पात्र महिलाओं को 1000 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। कैंपों में महिलाओं को बैंक खाता वेरिफिकेशन, आधार लिंकिंग और आवेदन से जुड़ी तकनीकी प्रक्रिया के बारे में भी जागरूक किया गया, ताकि लाभार्थियों को योजना का लाभ बिना किसी परेशानी के मिल सके। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम अधिकारी गुरमीत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री माताएं-धियां सत्कार योजना महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में पंजाब सरकार का अहम कदम है। उन्होंने कहा कि इस योजना से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी और उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कैंपों में बड़ी संख्या में महिलाओं और लड़कियों ने भाग लिया और योजना की जानकारी प्राप्त की। जिला प्रशासन और विभाग ने जिले की सभी योग्य महिलाओं से अपील की है कि वे इस योजना के तहत अपना रजिस्ट्रेशन करवाकर सरकार की आर्थिक सहायता का लाभ जरूर प्राप्त करें।

व्यापार विरोधी नीतियों का 2027 में जवाब देंगे पंजाब के व्यापारी: सुनील मेहरा

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। पंजाब प्रदेश व्यापार मंडल रजि. की ओर से सिविल सिटी स्थित लीजा रेस्टोरेंट में व्यापारियों की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला प्रधान प्रवीण गोयल, दविंद्र भाटिया, अरविंद जैन और अतुल कपूर की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान व्यापारियों की समस्याओं, सरकारी विभागों की कार्यप्रणाली, मानसून में होने वाली परेशानी और व्यापारिक एकजुटता पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्य महासचिव सुनील मेहरा ने कहा कि जब तक व्यापारी वर्ग एकजुट नहीं होगा, तब तक उसकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में अब तक आई सरकारों ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं

लिया, जिसके कारण व्यापारियों को रोजाना किसी न किसी सरकारी विभाग की कार्रवाई या परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मेहरा ने कहा कि किसान अपनी एकजुटता के बल पर सरकारों से अपनी बात मनवा लेते हैं, लेकिन व्यापारी वर्ग अपनी ताकत दिखाने में पीछे रह जाता है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे घरों से बाहर निकलकर बैठकों और आंदोलनों में भाग लें, तभी उनकी आवाज सरकार तक पहुंचेगी।

बैठक में मानसून के दौरान शहर में जलभराव और बुड्ढा दरिया की सफाई का मुद्दा भी उठाया गया। मेहरा ने कहा कि बुड्ढा दरिया की सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है और नुकसान व्यापारियों को झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में व्यापारी वर्ग व्यापार विरोधी नीतियों अपनाने वालों को मुंहतोड़ जवाब देगा। व्यापार मंडल ने आह्वान किया कि पंजाब भर के व्यापारी एकजुट होकर व्यापार हितैषी सरकार को आगे लाने में अपनी भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर हैबोवाल नॉर्थ एरिया के दविंद्र भाटिया को उपप्रधान नियुक्त किया गया। बैठक में सुनील मेहरा, प्रवीण गोयल, प्रवीण शर्मा, अतुल कपूर, एडवोकेट मनीष आहूजा, पवन मल्होत्रा, राजेंद्र सचदेवा, नरेश मल्होत्रा, कल्याण भगत, उमेश मल्होत्रा, दविंदर भगोडिया, गौरव भाटिया, वतन भाटिया, योगेश मेहता, दिलीप कुमार, चरणजीत गुलाटी, प्रदीप कुमार, आशुतोष भगोडिया, अल्पेश, योगेश सूद, राजेश भाटिया, नरेश बांसल, चिराग अरोड़ा, लवकेश जैन, राघव कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

क्या आपने कभी 21 साल के ब्रिगेडियर के बारे में सुना है?...तो लीजिए, यह रहा किस्सा।

भारत को अक्सर मौकों की जमीन कहा जाता है। जाहिर है, यह एक ऐसी जगह भी है जहाँ कभी-कभी काबिलियत, अनुभव और कुछ खास मामलों में तो मिलिट्री करियर की जगह भी सिर्फ. आत्मविश्वास ले सकता है। उत्तर प्रदेश में एक 21 साल के युवक की गिरफ़्तारी, जिसने आर्मी ब्रिगेडियर होने का नाटक किया था, सिर्फ.एक क्राइम स्टोरी नहीं है। यह आधुनिक भारत को समझने का एक बेहतरीन उदाहरण है। हम ऐसे दौर में जी रहे हैं जहाँ असल में अहम होने से ज्यादा अहम 'अहम दिखना' हो गया है। एक यूनिफॉर्म, कुछ बैज, सही निशान वाली गाड़ी और काफी आत्मविश्वास - ये चीजें किसी व्यक्ति को दशकों की कड़ी मेहनत से कहीं आगे ले जा सकती हैं।

संदीप शर्मा, सम्पादक

जरा उस रैंक के बारे में सोचिए जो उसने चुनी। लेफ्टिनेंट नहीं। कैप्टन नहीं। कर्नल भी नहीं। नहीं, उस युवक ने सीधे ब्रिगेडियर बनने का फैसला किया। जब महंगाई ने सब कुछ महंगा कर दिया है, तो प्रमोशन में समय क्यों बर्बाद किया जाए? अगर दिखावा करना ही है, तो बड़े पैमाने पर क्यों न किया जाए? इस काम में दिखाई गई तेजी की तारीफ किए बिना नहीं रहा जा सकता। असली अफसर सीनियर रैंक तक पहुँचने के लिए मुश्किल इलाकों में सेवा करते हैं, कोर्स करते हैं, सैनिकों की कमान संभालते हैं और ढेर सारे कागजी काम से गुजरते हैं। हमारे इस तथाकथित बहरूपिए ने लगता है कि पूरी प्रक्रिया को कुछ चीजों और भरोसेमंद अभिनय में समेट लिया। यह अनुभव कमाने के बजाय उसे डाउनलोड करने जैसा मिलिट्री वाला मामला है।

यह घटना भारत की एक अनोखी कमजोरी को भी उजागर करती है: अधिकार के प्रतीकों के सामने झुकने की हमारी आदत। बस एक बीकन दिखाओ, यूनिफॉर्म पहनो, फोल्डर लेकर चलो और काफी गंभीरता से चलो, तो लोग तुरंत मान लेते हैं कि आप या तो कोई सीनियर सरकारी अधिकारी हैं या किसी बहुत प्रभावशाली व्यक्ति के रिश्तेदार। वेरिफिकेशन को जरूरी नहीं समझा जाता। आखिरकार, जब आत्मविश्वास भरपूर हो तो क्रेडेंशियल्स कौन चेक करता है? यह कहानी सोशल मीडिया के दौर के लिए भी एकदम सही है। हम ऐसी दुनिया में रहते हैं जहाँ दिखावा अक्सर असलियत पर भारी पड़ता है। इन्फ्लुएंसर एंटरप्रेन्योर होने का नाटक करते हैं, एंटरप्रेन्योर दूरदर्शी होने का नाटक करते हैं, दूरदर्शी दार्शनिक होने का नाटक करते हैं और दार्शनिक इन्फ्लुएंसर होने का नाटक करते हैं। इतने कड़े कॉम्पिटिशन के बीच, एक नकली ब्रिगेडियर कोई बड़ी बात नहीं लगती। उसने बस रणनीतिक सेल्फ-ब्रांडिंग के राष्ट्रीय ट्रेंड को फॉलो किया। शायद सबसे दिलचस्प बात यह है कि किसी को भी यह अजीब नहीं लगा कि एक आदमी, जिसकी उम्र मुश्किल से कॉलेज पूरी करने लायक थी, वह कैसे ब्रिगेडियर बन गया। ऐसे देश में जहां माता-पिता को इस बात की चिंता रहती है कि 25 साल का युवा अभी तक ज़िंदगी में सेटल नहीं हुआ है, वहाँ एक 21 साल का युवक सीधे सेना के ऊँचे ओहदे पर पहुँच गया। यह घटना एक चेतावनी होनी चाहिए। सिर्फ.किसी और का रूप धरने के बारे में ही नहीं, बल्कि पद, वर्दी और ताकत के दिखावे के प्रति हमारे सामूहिक आकर्षण के बारे में भी। हम अक्सर प्रतीकों से इतने चकाचौंध हो जाते हैं कि सबसे आसान सवाल पूछना ही भूल जाते हैं: ₹आखिर यह व्यक्ति कौन है? हो सकता है कि उस युवक को सेना के सीनियर अफसर का रूप धरने के नतीजे भुगतने पड़ें। लेकिन बाकी लोगों को इस बात पर सोचना चाहिए कि हम कितनी आसानी से पहले सलाम करने और बाद में सच्चाई की जाँच करने को तैयार हो गए थे। आज के भारत में ऐसा लगता है कि ऊँचे ओहदे तक पहुँचने का सबसे छोटा रास्ता हमेशा परीक्षा, ट्रेनिंग या काबिलियत से होकर नहीं गुजरता। कभी-कभी इसकी शुरूआत एक खास तरह की पोशाक, चेहरे पर गंभीरता और इस हिम्मत से होती है कि कोई आपसे आपका क्लूकार्ड नहीं माँगेगा।

घायल को अस्पताल पहुंचाने के बजाय शव ठिकाने लगाने का मामला: मुख्य आरोपी चालक गिरफ्तार, सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त में

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/14 जून। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचाने के बजाय उसका शव ठिकाने लगाकर साक्ष्य मिटाने के सनसनीखेज मामले में पंचकूला पुलिस ने मुख्य आरोपी चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही मामले में शामिल सभी आरोपी अब पुलिस की गिरफ्त में हैं। जानकारी के अनुसार 7 जून 2026 को चरणजीत सिंह के परिजनों को सूचना मिली थी कि वह सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जहां पता चला कि एक लोडिंग टैंपो ने उन्हें टक्कर मारी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद चालक घायल चरणजीत सिंह को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की बात कहकर अपने साथ ले गया।

परिजनों ने विभिन्न अस्पतालों में उनकी तलाश की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। बाद में थाना चंडीमंदिर से सूचना मिली कि गांव चौकी ग्रिड क्षेत्र के पास नीली तिरपाल में लिपटा एक शव बरामद हुआ है। मौके पर मिले आधार कार्ड के आधार पर शव की पहचान चरणजीत सिंह निवासी पंचकूला के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सेक्टर-6 नागरिक

अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि टैंपो चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए दुर्घटना की तथा घायल को समय पर अस्पताल पहुंचाने के बजाय मामले को छिपाने की नीयत से शव को ठिकाने लगाने का प्रयास किया। शिकायत के आधार पर थाना पिंजौर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

पहले दो आरोपी 24 घंटे में दबोचे गए

डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने बताया कि अमरावती चौकी पुलिस ने इंचार्ज प्रीतम सिंह के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों नेमचंद और उसके पुत्र शंकर को गिरफ्तार कर लिया था।

मुख्य आरोपी चालक भी गिरफ्तार

जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने 13 जून को मामले के मुख्य आरोपी और वाहन चालक रंजीत निवासी अंबाला को भी गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दुर्घटना के बाद आरोपियों ने घायल व्यक्ति को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के बजाय शव को खुर्द-बुर्द कर पूरे मामले को दबाने और साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया था। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर मामले के अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। इस घटना ने मानवता को शर्मसार करने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं के बाद घायलों को समय पर सहायता पहुंचाने की आवश्यकता को भी एक बार फिर उजागर किया है।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर- उपायुक्त

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को बैंकों के माध्यम से मिलेगी 5 लाख रुपये तक की ऋण सुविधा

पंचकूला/यूटर्न/14 जून। उपायुक्त सतपाल शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा मातृशक्ति उद्यमिता योजना के अंतर्गत महिला विकास निगम के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से बैंकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाई जा रही है। इस वर्ष जिला पंचकूला के लिए 40 मामलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिन महिलाओं की पारिवारिक वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम है, जो हरियाणा की निवासी महिला उद्यमी हैं तथा ऋण के लिए आवेदन के समय जिनकी आयु 18 से 60 वर्ष के बीच है, वे इस योजना के लिए पात्र होंगी। आवेदक पूर्व में लिए गए किसी भी ऋण का डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के अंतर्गत समय पर किस्तों का भुगतान करने पर 3 वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि हरियाणा महिला विकास

निगम द्वारा प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत डेयरी, उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियाँ शामिल हैं। इन गतिविधियों में यातायात वाहन के अंतर्गत ऑटो रिक्शा, छोटे सामान ढोने के वाहन, थ्री-व्हीलर, ई-रिक्शा, टैक्सी तथा सामाजिक एवं व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के अंतर्गत सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, फोटो कॉपी की दुकान, पापड़ व आचार बनाना, हलवाई की दुकान, फूड स्टॉल, आइसक्रीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट निर्माण, हैंडलूम, बैग निर्माण, कैंटीन सर्विस आदि शामिल हैं, जिनके माध्यम से महिलाएँ अपना स्वयं का कार्य शुरू कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करवाने होंगे। इन दस्तावेजों में आवेदन पत्र, राशन कार्ड/परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट आकार के फोटो, निवास प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तथा प्रशिक्षण प्रमाण पत्र/अनुभव प्रमाण पत्र शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए निगम के कार्यालय, जिला प्रबंधक, हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा नं. 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिंग, मिनी सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला दूरभाष नंबर- 0172-2585271 पर संपर्क किया जा सकता है।

मंत्री हरदीप सिंह मुंडिया ने लुधियाना के जनहित मुद्दों को लेकर पुलिस कमिश्नर से की बैठक

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। लुधियाना शहर से जुड़े विभिन्न जनहित मुद्दों और लोगों की समस्याओं को लेकर आज कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडिया ने पुलिस कमिश्नर श्वपन शर्मा से अहम बैठक की। बैठक के दौरान शहर में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने, ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने और लोक कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पेश आ रही ट्रैफिक समस्या, सार्वजनिक सुरक्षा, गलत पार्किंग, नशे के खिलाफ कार्रवाई और आम लोगों की शिकायतों के जल्द समाधान जैसे मुद्दे भी उठाए गए। मंत्री हरदीप सिंह मुंडिया ने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान करना और शहर में बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना सभी की साझा जिम्मेदारी है। बैठक के दौरान माननीय विधायकगण और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। पुलिस कमिश्नर श्वपन शर्मा ने भरोसा दिलाया कि शहरवासियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पुलिस प्रशासन जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल करेगा।

पेज 12 नीट पेपर लीक मामले में भाजपा सरकार के खिलाफ...

सेक्टर-11 गोलीकांड के बाद गैंगस्टरों का आतंक: पांच व्यापारियों को रंगदारी के कॉल, 'जानकी दास जैसा होगा अंजाम'

हत्या के कुछ घंटों बाद ही शुरू हुई धमकियों की बौछार, विदेशी नंबरों से आए कॉल; पुलिस और खुफिया एजेंसियां अलर्ट

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। सेक्टर-11 स्थित कुमार मेडिकल के कैशियर जानकी दास की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या के बाद चंडीगढ़ में गैंगस्टरों का खौफ और बढ़ गया है। हत्या की वारदात को 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि सेक्टर-11 मार्केट के पांच प्रमुख व्यापारियों को कथित तौर पर विदेशों से फोन कॉल कर रंगदारी की मांग की गई। कॉल करने वालों ने खुद को गैंगस्टर गिरोह से जुड़ा बताते हुए साफ चेतावनी दी कि यदि निर्धारित रकम नहीं दी गई तो उनका अंजाम भी जानकी दास जैसा होगा। इस घटनाक्रम ने न केवल व्यापारिक समुदाय बल्कि पुलिस प्रशासन की भी चिंता बढ़ा दी है। कारोबारियों को मिली धमकियों के बाद पूरे सेक्टर-11 मार्केट में भय और असुरक्षा का माहौल है।

फ्रांस, कनाडा और अन्य विदेशी नंबरों से आए कॉल

सूत्रों के अनुसार व्यापारियों को फ्रांस, कनाडा समेत कई अंतरराष्ट्रीय नंबरों से फोन कॉल प्राप्त हुए। कॉल करने वालों ने कथित तौर पर लाखों रुपये की रंगदारी मांगते हुए धमकी दी कि रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। कुछ व्यापारियों को यह भी कहा गया कि जिस तरह जानकी दास को दिनदहाड़े निशाना बनाया गया, उसी तरह उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है। धमकी देने वालों ने सेक्टर-11 मार्केट को बम से उड़ाने जैसी चेतावनियां भी दीं, जिसके बाद मामला और गंभीर हो गया। व्यापारियों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी।

हत्याकांड और धमकियों के बीच कनेक्शन तलाश रही पुलिस

चंडीगढ़ पुलिस की साइबर सेल, क्राइम ब्रांच और जिला पुलिस की संयुक्त टीमें जांच में जुटी हुई हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कॉल वास्तव में विदेशों से किए गए या फिर इंटरनेट कॉलिंग, वर्चुअल नंबर और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर विदेशी नंबरों का आभास पैदा किया गया। जांच एजेंसियों का मानना है कि जानकी दास हत्याकांड और व्यापारियों को मिली धमकियों के बीच संबंध हो सकता है। दोनों घटनाओं के बीच बेहद कम समय का अंतर होने के कारण पुलिस इस एंगल को प्राथमिकता से खंगाल रही है। कॉल डिटेल रिकॉर्ड, आईपी लॉग, इंटरनेट ट्रैफिक और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

व्यापारियों में दहशत, केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग

लगातार मिल रही धमकियों के बाद व्यापारिक संगठनों में रोष और चिंता का माहौल है। कारोबारियों का कहना है कि चंडीगढ़ जैसे शांत शहर में गैंगस्टरों की बढ़ती गतिविधियां गंभीर चिंता का विषय हैं। कई व्यापारियों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है।

व्यापारियों का कहना है कि यदि दिनदहाड़े हत्या और उसके बाद खुलेआम रंगदारी की धमकियां दी जा सकती हैं तो आम नागरिकों और व्यापारियों की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

सेक्टर-11 मार्केट बना हाई सिक्योरिटी जोन

धमकियों की सूचना मिलते ही पुलिस ने सेक्टर-11 मार्केट और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। अतिरिक्त पुलिस बल, पीसीआर वाहन और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। बाजार में आने-जाने वाले लोगों और वाहनों की निगरानी बढ़ा दी गई है। चंडीगढ़ के डीआईजी र४ी१ ढ१ं३स्र व्रल्लँ ने अधिकारियों को सेक्टर-11 मार्केट के बाहर स्थायी नाकाबंदी, अतिरिक्त पीसीआर तैनाती और चौबीसों घंटे गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि व्यापारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और धमकी देने वालों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सेक्टर-11 फायरिंग मामले में 24 घंटे बाद भी शूटर पुलिस गिरफ्त से दूर, तस्वीरें आने के बाद जांच तेज

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। बीते शनिवार को चंडीगढ़ सेक्टर-11 स्थित कुमार मेडिकल के बाहर दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना को 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद चंडीगढ़ पुलिस अभी तक हमलावरों तक नहीं पहुंच पाई है। मामले में लगातार छापेमारी और जांच के बावजूद आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं, जिससे शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार वारदात को अंजाम देने के लिए तीन युवक मोटरसाइकिल पर मेडिकल शॉप के पास पहुंचे थे। मौके पर पहुंचते ही उन्होंने गोलियां चलानी शुरू कर दीं और घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों की मदद के लिए एक अन्य साथी पहले से ही इलाके में मौजूद था, जिसने भागने की योजना को सफल बनाने में भूमिका निभाई।

घटना के बाद पुलिस ने शहर के विभिन्न इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। इसी दौरान आरोपियों की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वे शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घूमते दिखाई दे रहे हैं। इन

तस्वीरों के आधार पर पुलिस ने उनकी पहचान और लोकेशन ट्रेस करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। जांच के दौरान यह भी पता चला है कि वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बाद में लेजर वैली क्षेत्र के निकट लावारिस हालत में मिली। आशंका है कि आरोपी बाइक छोड़ने के बाद किसी अन्य वाहन या पैदल रास्ते से फरार हुए।

सूत्रों के मुताबिक मामले की जांच के लिए क्राइम ब्रांच, ऑपरेशन सेल और जिला पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस आसपास के राज्यों में भी संभावित ठिकानों

की जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों का दावा है कि तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान लगभग स्पष्ट हो चुकी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हालांकि घटना के समय इलाके में पुलिस नाकाबंदी होने के बावजूद हमलावरों के फरार होने को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई होती तो आरोपियों को मौके के आसपास ही दबोचा जा सकता था। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और शहरभर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। वहीं, इस वारदात ने चंडीगढ़ की सुरक्षा व्यवस्था और नाकाबंदी तंत्र की प्रभावशीलता को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

संपूर्ण भारतीय बैरवा विकास संस्था के सैकड़ों सदस्यों ने थामा राष्ट्रीय लोकदल का दामन

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। संपूर्ण भारतीय बैरवा विकास संस्था (पंजीकृत) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मवीर सुलानिया संगम के नेतृत्व में संस्था के सैकड़ों समर्थकों ने राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) की सदस्यता ग्रहण की। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय लोकदल चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष विद्या शंकर पाठक की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार, दौलत राम, अशोक कुमार, रामगोपाल बैरवा, कमल, सुंदर लाल, राजकुमार सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों और विचारधारा में विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष विद्या शंकर पाठक के साथ पार्टी के उपाध्यक्ष राममिलन, महिला मोर्चा नेता मीरा देवी तथा अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। पार्टी नेतृत्व ने नवजुड़े सदस्यों का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त की कि धर्मवीर सुलानिया के नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा चंडीगढ़ में पार्टी का जनाधार और प्रभाव निरंतर बढ़ेगा।

घायल पशु-पक्षियों को अब मिलेगी त्वरित मदद, चंडीगढ़ में शुरू हुई विशेष एंबुलेंस सेवा

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। घायल और बेसहारा पशु-पक्षियों के बचाव एवं उपचार के लिए चंडीगढ़ में एक विशेष एंबुलेंस सेवा की शुरूआत की गई है। चंडीगढ़ पेट लवर्स एसोसिएशन (सीपीएलए) की ओर से शुरू की गई इस पहल का शुभारंभ सेक्टर-33 स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किया गया। कार्यक्रम में भाजपा चंडीगढ़ के अध्यक्ष Jitender Pal Malhotra ने एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस सेवा का उद्देश्य घायल पक्षियों, आवारा कुत्तों, बिल्लियों और अन्य जरूरतमंद पशुओं को समय पर चिकित्सा सहायता और सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराना है। इस पहल के पीछे संस्था के अध्यक्ष एवं स्टेट अवॉर्डी समाजसेवी Vinod Kumar Sonu की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विनोद कुमार पिछले कई वर्षों से पशु-पक्षी संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वर्तमान में वे बुड़ैल जेल स्थित जू के इंचार्ज के रूप में भी सेवाएं दे रहे हैं। विनोद कुमार ने बताया कि अक्सर घायल पशु-पक्षियों को समय पर अस्पताल या उपचार केंद्र तक पहुंचाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विशेष एंबुलेंस सेवा शुरू की गई है, ताकि किसी भी घायल जीव को तुरंत राहत और उपचार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था से पक्षियों के लिए घोंसले, दाना-पानी के पात्र वितरित करने और पौधारोपण अभियान चलाने का कार्य कर रही है। कोरोना महामारी के दौरान भी संस्था के स्वयंसेवकों ने शहरभर में बेसहारा पशुओं और पक्षियों के लिए भोजन एवं पानी की व्यवस्था की थी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बढ़ते शहरीकरण के बीच पशु-पक्षियों के संरक्षण के लिए ऐसे प्रयास समय की आवश्यकता हैं।

परहित सबसे बड़ा धर्म, सबका भला सोचने वाला ही सच्चा भक्तः संत अश्वनी बेदी

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। अमृतवाणी सत्संग, श्री राम शरणम्, श्री राम पार्क में आयोजित साप्ताहिक सत्संग के दौरान प्रमुख संत अश्वनी बेदी महाराज ने कहा कि दूसरों का भला करने में लगे रहना उच्च कोटि का तप और सर्वश्रेष्ठ धर्म है। उन्होंने कहा कि केवल तन को तपाना या कष्ट देना तप नहीं है, बल्कि मन में परहित की भावना रखना ही सच्ची साधना है।

संत बेदी महाराज ने कहा कि मनुष्य को कभी किसी का बुरा नहीं सोचना चाहिए, बल्कि सबके कल्याण की भावना रखनी चाहिए। उन्होंने गुरु नानक देव जी महाराज के उपदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि जो सबका भला सोचता है, दुख उसे स्पर्श नहीं कर पाता। रामचरित मानस की चौपाई ह्लपरहित बस जिन्ह के मन मांहि, तिन्ह कहूँ जग दुर्लभ कछु नाहिह्व का भाव समझाते हुए उन्होंने कहा कि जिनके मन में दूसरों का हित बसता है, उनके लिए संसार में कुछ भी दुर्लभ नहीं रहता। उन्होंने कहा कि परहित और परोपकार के समान कोई दूसरा धर्म नहीं है। संत स्वभाव से परोपकारी होते हैं और वे भगवान से सदैव सबके कल्याण की कामना करते हैं। संत बेदी महाराज ने श्रद्धालुओं से नाम जाप करते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को ऐसी मधुर और कोमल वाणी बोलनी चाहिए, जिससे दीन-दुखियों का हित हो, समाज में सुधार आए और देश में एकता मजबूत हो। ऐसी वाणी से बचना चाहिए, जिससे समाज में विवाद, वैर-विरोध या अशांति पैदा हो।

संत अश्वनी बेदी महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति अपने मन, बुद्धि और चित्त को वैर-विरोध से दूर रखता है तथा देश की एकता और अखंडता की सेवा करता है, वही सच्चा तपस्वी और भगवान का परम भक्त है। उन्होंने कहा कि भक्ति का सर्वोच्च आदर्श है—सुख बांटो और सुख पाओ। सत्संग में जीवन गुप्ता, टीटू पायलट, राजन कपूर, वरिंदर जैन, रामेश्वर गुप्ता, बृजेश गुप्ता, सुदर्शन जैन, सुमन जैन, रूपाली जैन, मधु बजाज, साक्षी गंभीर, प्रेरणा शाही, पलवी धवन, श्रुति थापर, पुनीता गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

भारत की 5000 मीटर दूर तक की मिसाइलों को गिराने की तैयारी- क्या यह आने वाले खतरे की तैयारी है?

आज के समय में विश्व के अनेक देशों के पास अत्याधुनिक मिसाइलें और हथियार मौजूद हैं। ऐसे में किसी भी देश की सुरक्षा केवल अपनी सेना की ताकत पर ही नहीं, बल्कि दुश्मन के हमलों को रोकने की क्षमता पर भी निर्भर करती है। भारत ने ऐसी रक्षा प्रणालियों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है जो दूर से आने वाली मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर सकें। यदि भारत 5000 किलोमीटर तक मार करने वाली मिसाइलों को भी गिराने की क्षमता विकसित कर रहा है, तो यह निश्चित रूप से भविष्य के संभावित खतरों से बचाव की तैयारी का हिस्सा है। आधुनिक युद्धों में मिसाइल हमले सबसे बड़ा खतरा माने जाते हैं। इसलिए ऐसी रक्षा प्रणाली देश के नागरिकों, सैन्य ठिकानों और महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा को मजबूत बनाती है। भारत की नीति हमेशा से शांति और आत्मरक्षा की रही है। मिसाइल रोधी तकनीक का उद्देश्य किसी देश पर हमला करना नहीं, बल्कि अपने देश को सुरक्षित रखना है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों और बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए ऐसी तैयारियां आवश्यक हैं। इससे भारत की रक्षा क्षमता मजबूत होती है और संभावित दुश्मनों को भी गलत कदम उठाने से पहले कई बार सोचने पर मजबूर होना पड़ता है। इसलिए इसे आने वाले खतरों से बचाव की एक महत्वपूर्ण तैयारी माना जा सकता है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या Divorce के बाद भी पत्नी पति की Nominee बनी रहती है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

तलाक के बाद अक्सर यह प्रश्न उठता है कि क्या पत्नी बैंक खाते, बीमा पॉलिसी, पीएफ, म्यूचुअल फंड या अन्य निवेशों में पहले की तरह Nominee बनी रहती है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि Nominee और Legal Heir (कानूनी उत्तराधिकारी) एक ही बात नहीं हैं।

Nominee वह व्यक्ति होता है जिसका नाम रिकॉर्ड में दर्ज होता है ताकि मृत्यु के बाद संबंधित राशि प्राप्त की जा सके। लेकिन अंतिम कानूनी अधिकार उत्तराधिकार कानूनों के अनुसार तय होते हैं।

यदि किसी व्यक्ति ने विवाह के दौरान अपनी पत्नी को Nominee बनाया था, तो केवल Divorce हो जाने से हर संस्था में Nomination अपने आप रद्द (cancel) नहीं हो जाती। इसका अर्थ है कि यदि तलाक के बाद भी रिकॉर्ड अपडेट नहीं किया गया है, तो कई मामलों में पूर्व पत्नी का नाम Nominee के रूप में बना रह सकता है।

इसी कारण Divorce के बाद बैंक खाते, बीमा पॉलिसी, पीएफ, डीमैट खाते, म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड की समीक्षा करना महत्वपूर्ण होता है। कई लोग यह मान लेते हैं कि Divorce Decree मिलते ही सभी nominations स्वतः बदल जाएंगे, जबकि व्यवहार में ऐसा नहीं होता। इसलिए वैवाहिक स्थिति में बदलाव के बाद संबंधित संस्थाओं के रिकॉर्ड को समय पर अपडेट करना आवश्यक है।

निष्कर्ष: Divorce के बाद Nomination हमेशा अपने आप समाप्त नहीं होती। वित्तीय और कानूनी जटिलताओं से बचने के लिए सभी nominations और beneficiary details की समय पर समीक्षा और संशोधन करना चाहिए।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत जीरकपुर से अमृतसर के लिए रवाना हुईं दो और बसें

- विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने दिखाई हरी झंडी, श्रद्धालु करेंगे धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन

जीरकपुर/यूटर्न/14 जून। पंजाब सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में चलाई जा रही मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत सोमवार को हलका डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने जीरकपुर के वार्ड नंबर 11 से 57वीं और वार्ड नंबर 12 से 58वीं बस को हरी झंडी दिखाकर श्री अमृतसर के लिए रवाना किया। इन बसों में सवार श्रद्धालु विभिन्न धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन करेंगे। इस अवसर पर विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने कहा कि पंजाब सरकार का उद्देश्य समाज के हर वर्ग, विशेषकर बुजुर्गों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाने का अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी आस्था के अनुसार तीर्थ यात्रा का लाभ उठा सकें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना को लोगों का भरपूर समर्थन और सराहना मिल रही है तथा अब तक हजारों श्रद्धालु इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान श्रद्धालु श्री हरमंदिर साहिब (दरबार साहिब), श्री दुर्गियाना मंदिर तथा भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल में माथा टेकेंगे। इसके अलावा वे ऐतिहासिक जलियांवाला बाग और भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित वाघा बॉर्डर का भी भ्रमण करेंगे।

रंधावा ने कहा कि तीन दिन और दो रातों की इस यात्रा के दौरान परिवहन, आवास, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं का संपूर्ण खर्च पंजाब सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों को भी बिना किसी वित्तीय बोझ के धार्मिक यात्रा का अवसर मिल रहा है।

बसों को रवाना किए जाने के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। यात्रा पर जाने वाले बुजुर्गों और अन्य यात्रियों ने पंजाब सरकार और विधायक कुलजीत सिंह रंधावा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनकी वर्षों पुरानी धार्मिक यात्रा की इच्छा को पूरा करने में सहायक साबित हो रही है।

विधायक रंधावा ने सभी श्रद्धालुओं की सुखद, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार जनहित और लोगों की भावनाओं से जुड़ी योजनाओं को पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू कर रही है। इस अवसर पर नगर परिषद के अधिकारी, आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी, पार्षद, पार्टी कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

AICMA समारोह में इंडियन बाइसिकल गाइड का लोगो लॉन्च, साइकिल उद्योग को मिलेगा नया प्लेटफॉर्म

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। बाइसिकल मिरर मीडिया हाउस की पहल इंडियन बाइसिकल गाइड (IBG) ने प्रतिष्ठित AICMA अवॉर्ड्स समारोह के दौरान अपने लोगो का आधिकारिक अनावरण किया। यह लॉन्च ऑल इंडिया साइकिल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (AICMA) के सहयोग से किया गया। IBG ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए मंच प्रदान करने पर AICMA का आभार जताया।

लोगो का अनावरण पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री अमन अरोड़ा, अक्झटअ अध्यक्ष ऋषि पाहवा, पद्मश्री ओंकार सिंह पाहवा, अभिषेक मुंजाल, राजगोपाल, UCPMA अध्यक्ष हरसिमरजीत सिंह लकी तथा मंदीप चौधरी की उपस्थिति में किया गया।

मंदीप चौधरी ने बताया कि इंडियन बाइसिकल गाइड का उद्देश्य भारत के साइकिल उद्योग को एक साझा मंच पर लाना है। यह प्लेटफॉर्म निमार्ताओं, सप्लायर्स, डीलरों और उद्योग से जुड़े अन्य हितधारकों के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से उद्योग से जुड़ी जानकारी, नेटवर्किंग और व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय साइकिल उद्योग देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐसे में IBG का प्रयास इस सेक्टर को और संगठित, मजबूत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में सहयोग देना है।

AICMA अवॉर्ड्स जैसे बड़े मंच पर लोगो लॉन्च को IBG की यात्रा की महत्वपूर्ण शुरूआत माना जा रहा है। उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी इस पहल को साइकिल इंडस्ट्री के लिए सकारात्मक कदम बताया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मिले गुरदीप सिंह गोशा, पंजाब के हालात पर हुई चर्चा

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। भारतीय जनता पार्टी पंजाब के मीडिया पैनलिस्ट गुरदीप सिंह गोशा ने आज केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान पंजाब के मौजूदा सामाजिक, आर्थिक और व्यापारिक हालातों पर विस्तार से चर्चा की गई। गुरदीप सिंह गोशा ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि पंजाब में व्यापार और उद्योग जगत इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए मजबूत नीतियों और बेहतर कानून व्यवस्था की जरूरत है। गोशा ने कहा कि पंजाब के लोगों में यह भावना बढ़ रही है कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र और राज्य में समान सोच वाली डबल इंजन भाजपा सरकार जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और पंजाब के लोग भी इस विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पंजाब से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार पंजाब के विकास और जनता के हितों के लिए लगातार कार्य करती रहेगी। इस मौके पर गुरदीप सिंह गोशा और व्यापारी हरीश दुआ ने केंद्रीय मंत्री को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया।

भाजपा जिला महामंत्री मल्ली के निवास स्थान पहुंचे हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी

दिनेश मौदगिल

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लुधियाना स्थित ज्ञान स्थल मंदिर में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भाजपा के जिला महामंत्री नरेंद्र सिंह मल्ली के निवास स्थान पर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री सैनी ने नरेंद्र सिंह मल्ली एवं उनके पारिवारिक सदस्यों से मुलाकात की तथा उनका कुशलक्षेम जाना। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था, नशे की समस्या, बेरोजगारी और विकास कार्यों की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनहित के मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय केवल राजनीतिक प्रचार में व्यस्त है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि पंजाब की जनता ने जिन उम्मीदों के साथ वर्तमान सरकार को चुना था, उन उम्मीदों पर सरकार खरी उतरने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों का पलायन, किसानों की समस्याएं और युवाओं में बढ़ती निराशा राज्य सरकार की नीतियों की असफलता को दशार्ती हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब को विकास, सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता है, जिससे राज्य दोबारा प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के हर राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और पंजाब को भी विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से निरंतर सहयोग दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री सैनी ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में पंजाब की जनता विकास और सुशासन को प्राथमिकता देगी।

वैश्वीकरण के दौर में सांस्कृतिक पहचान जरूरी: आर्किटेक्ट संजय गोयल

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। शहर के प्रसिद्ध आर्किटेक्ट संजय गोयल ने चंडीगढ़ में आयोजित डिजाइन डिबेट "Belonging vs Globalisation: Designing Identity in a Borderless World" में बतौर विशिष्ट वक्ता और पैनलिस्ट भाग लिया। इस दौरान उन्होंने वास्तुकला के क्षेत्र में वैश्वीकरण के बढ़ते प्रभाव और आधुनिक डिजाइन में स्थानीय पहचान व सांस्कृतिक जुड़ाव को बनाए रखने की जरूरत पर अपने विचार साझा किए। आर्किटेक्ट गोयल ने कहा कि आज दुनिया तेजी से एक-दूसरे से जुड़ रही है, लेकिन डिजाइन और वास्तुकला में स्थानीय संस्कृति, परंपरा और पहचान को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर बताया कि बेहतर वास्तुकला वही है, जो आधुनिकता के साथ-साथ समाज, स्थान और लोगों की भावनाओं से भी जुड़ी हो। इस पैनल में आर्किटेक्ट गुरवीर सिंह, रश्मि शर्मा, संजय गोयल, सवनीत कौर, सुकुमार जेरथ और शशि सुवर्णा शामिल रहे। चर्चा का संचालन आर्किटेक्ट बद्रीनाथ कालेरू ने किया। कार्यक्रम का आयोजन आईटीपी मीडिया लिमिटेड, मुंबई के इंद्रजीत एम. साओजी, बिभोर श्रीवास्तव और राहुल सेक्वेरा द्वारा किया गया।

आखिर क्यों हुआ डॉ. नीरू कत्याल का ट्रांसफर, अब ओजस्वी की परीक्षा

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। नगर निगम लुधियाना में डॉ. नीरू कत्याल गुप्ता का छोटा कार्यकाल अब उनके तबादले के बाद और ज्यादा चर्चा में आ गया है। शहर के सियासी गलियारों और निगम हलकों में बड़ा सवाल उठ रहा है कि आखिर इतनी कम अवधि में उनका ट्रांसफर क्यों हुआ।

चर्चा है कि डॉ. नीरू कत्याल ने निगम के टेंडरिंग सिस्टम, ठेकेदारों की पेमेंट और विकास कार्यों में पारदर्शिता लाने की जो कोशिश शुरू की थी, वह कुछ प्रभावशाली लोगों को रास नहीं आई। मंत्री संजीव अरोड़ा द्वारा स्थानीय निकाय विभाग का कार्यभार संभालने के बाद लुधियाना नगर निगम को भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और पंजाब का मॉडल सिटी बनाने की दिशा में डॉ. नीरू कत्याल को अहम जिम्मेदारी दी गई थी।

उन्होंने अपने कार्यकाल में ठेकेदारों की पेमेंट बिना अनावश्यक देरी और बिना कथित कमीशन प्रथा के करने पर जोर दिया। इससे कई ठेकेदारों को राहत मिली, लेकिन निगम के पुराने सिस्टम में दखल रखने वाले कुछ सियासी चेहरों में बेचैनी भी देखने को मिली।

सूत्रों के अनुसार, डॉ. नीरू कत्याल बड़े राजनीतिक दबावों के आगे झुकने के बजाय नियमों के मुताबिक काम करने को प्राथमिकता दे रही थीं। यही कारण रहा कि कुछ नेताओं और विधायकों को उनके कार्यकाल में असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। सड़क निर्माण की गुणवत्ता, ई-ऑफिस सिस्टम और टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता उनके कार्यकाल की प्रमुख चर्चा रही। अब उनके तबादले के बाद सबकी नजरें नए नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी यादव पर टिक गई हैं। उनके सामने सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि क्या वह पारदर्शिता और सख्ती की इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे या निगम फिर पुराने ढर्रे पर लौटेगा। शहर की जनता अब साफ-सुथरे सिस्टम, समय पर विकास कार्य और गुणवत्ता वाली सड़कों की उम्मीद लगाए बैठी है।

इंडिगो फ्लाइट में छिपाया गया करोड़ों का सोना बरामद, जांच एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली/यूटर्न/14 जून। इंडिगो फ्लाइट में करोड़ों रुपये कीमत का सोना मिलने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही जानकारी के अनुसार विमान के अंदर छिपाकर रखा गया करीब 4.27 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जांच के दौरान बरामद किया गया। सोने की बरामदगी के बाद एयरपोर्ट सुरक्षा एजेंसियों और कस्टम विभाग में हड़कंप मच गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सोना बेहद चालाकी से विमान के भीतर छिपाया गया था, ताकि सामान्य जांच के दौरान इसका पता न चल सके। अधिकारियों द्वारा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि सोना किस यात्री या नेटवर्क से जुड़ा हुआ था और इसे कहां से लाकर कहां पहुंचाया जाना था।

मामले के सामने आने के बाद सोना तस्करी को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने पर बढ़ते टैक्स और ड्यूटी के कारण तस्करी के मामले बढ़ने की आशंका रहती है। फिलहाल जांच एजेंसियां सीसीटीवी फुटेज, यात्रियों की सूची और एयरलाइन स्टाफ से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही हैं। मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना है।

चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता कृष्णलाल का भाजपा पर हमला, शहर की बदहाली के लिए मांगा जवाब

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता कृष्णलाल ने कहा कि चंडीगढ़, जिसे कभी सिटी ब्यूटीफुल और देश के सबसे स्वच्छ शहरों में गिना जाता था, आज गंदगी और अव्यवस्था का शिकार हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के पिछले दस वर्षों के शासन और पूर्व सांसद किरण खेर के कार्यकाल में शहर का समुचित विकास नहीं हो सका, जिसके कारण चंडीगढ़ की पहचान और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। कृष्णलाल ने कहा कि जो शहर कभी कानून-व्यवस्था के मामले में देश के सबसे सुरक्षित शहरों में माना जाता था, वहां आज आए दिन गोलीबारी और आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति जंगलराज जैसी बन गई है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ कभी स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी शहरों में गिना जाता था, लेकिन पिछले दस वर्षों में न तो कोई नया सरकारी कॉलेज खोला गया और न ही कोई बड़ा अस्पताल स्थापित किया गया। अस्पतालों में डॉक्टरों और स्कूलों-कॉलेजों में शिक्षकों के अनेक पद खाली पड़े हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें भरने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कृष्णलाल ने कहा कि भाजपा शासन में व्यापारी, मजदूर, कर्मचारी और आम नागरिक सभी परेशान हैं। महंगाई ने लोगों का जीवन कठिन बना दिया है, जबकि भाजपा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों का कार्यकाल पूरा होने पर उत्सव मनाने में व्यस्त है।

बापूधाम कॉलोनी में तड़के चला पुलिस का सघन सर्च ऑपरेशन, 120 घरों की जांच, 102 संदिग्धों से पूछताछ

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। अपराध पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से चंडीगढ़ पुलिस ने रविवार तड़के बापूधाम कॉलोनी, सेक्टर-26 में व्यापक कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन (उअरड) चलाया। सुबह 5 बजे से 7:30 बजे तक चले इस अभियान में पुलिस और अर्धसैनिक बल के करीब 70 जवानों ने हिस्सा लिया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान पूरे क्षेत्र को तीन हिस्सों में विभाजित कर अलग-अलग टीमों को जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रत्येक टीम ने अपने निर्धारित क्षेत्र में घर-घर जाकर जांच और सत्यापन किया। अभियान के दौरान क्षेत्र के संभावित प्रवेश और निकास मार्गों पर तीन विशेष नाके लगाए गए। नाकाबंदी के दौरान 48 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से दस्तावेजों और अन्य खामियों के चलते 20 वाहनों के चालान किए गए।

पुलिस ने इस दौरान 120 घरों की जांच की और 102 संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की। इसके अलावा 15 बैड कैरेक्टर (बीसी) और 107 अपराध निगरानी सूची में शामिल व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। जांच के दौरान 50 संदिग्ध व्यक्तियों के स्ट्रेंजर रोल तैयार कर उनके मूल निवास क्षेत्रों में सत्यापन के लिए भेजे गए। प्रारंभिक जांच और सत्यापन के बाद सभी व्यक्तियों को छोड़ दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इस तरह के विशेष अभियान का उद्देश्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करना और क्षेत्र में आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी संवेदनशील क्षेत्रों में इसी प्रकार के सर्च और सत्यापन अभियान जारी रहेंगे ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ अपराधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस पर निकला भव्य नगर कीर्तन

मनीमाजरा में उमड़ा श्रद्धा और भाईचारे का सैलाब

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। श्री गुरु अर्जुन देव के शहीदी दिवस को समर्पित महान नगर कीर्तन का आयोजन रविवार को मनीमाजरा में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ किया गया। गुरुद्वारा श्री गुरु रविदास जी, माड़ी वाला टाउन की प्रबंधक कमेटी एवं समूह साध संगत के सहयोग से आयोजित इस धार्मिक समागम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु साहिब की शिक्षाओं को नमन किया। पंच प्यारों की अगुवाई में निकले नगर कीर्तन में सुसज्जित पालकी साहिब, कीर्तन जत्थों और श्रद्धालुओं की विशाल संगत ने पूरे वातावरण को गुरुबाणी के रंग में रंग दिया। नगर कीर्तन के दौरान विभिन्न स्थानों पर संगत के लिए लंगर, जलपान और ठंडे मीठे जल की छबीलों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर चंडीगढ़ से सांसद मनीष तिवारी ने गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर माथा टेका और गुरु घर का आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सुभाष सिंह, लखविंदर सिंह और अन्य पदाधिकारियों ने सांसद का स्वागत करते हुए उन्हें सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि श्री गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान मानवता, धार्मिक स्वतंत्रता और सत्य की रक्षा का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की शिक्षाएं आज भी समाज को प्रेम, सहिष्णुता, भाईचारे और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।

राष्ट्रीय लोक दल ने विकास धवन को बनाया चंडीगढ़ इकाई का महासचिव

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) ने चंडीगढ़ इकाई को मजबूत करने की दिशा में संगठनात्मक विस्तार करते हुए विकास धवन को पार्टी का महासचिव नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। आरएलडी चंडीगढ़ (यूटी) के प्रदेश अध्यक्ष **Vidya Shankar Pathak** ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए कहा कि विकास धवन की संगठनात्मक क्षमता, सामाजिक सक्रियता और जनसंपर्क को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि धवन पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त महासचिव **Vikas Dhawan** ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य चंडीगढ़ में पार्टी के जनाधार का विस्तार करना और जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना रहेगा। विकास धवन की नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई और उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व और सक्रियता से चंडीगढ़ में राष्ट्रीय लोक दल के संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की गतिविधियों को और गति प्राप्त होगी।

पंजाब में सफाई कर्मचारियों का शक्ति प्रदर्शनः 21 जिलों से जुटे हजारों कर्मी, 24 जून को खरल में होगा महासंग्राम

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/14/जून। अपने हक और अधिकारों की आवाज बुलंद करने के लिए जब हजारों हाथ एक साथ उठते हैं, तो सत्ता को भी झुकना पड़ता है। कुछ ऐसा ही नजारा आज जगरांव के 'लम्मियां वाला बाग' में देखने को मिला, जहाँ सफाई सेवक यूनियन पंजाब द्वारा बुलाई गई बैठक एक विशाल रैली में तब्दील हो गई। पंजाब के 21 जिलों से आए हजारों सफाई कर्मचारियों और नगर निगम के कर्मियों ने अपनी एकता का जोरदार प्रदर्शन किया।

24 जून को खरल में होगा महा-आंदोलन...यूनियन ने घोषणा की कि 24 जून को खरल (खरड़) में एक बड़ा संघर्ष किया जाएगा। इस आंदोलन में पंजाब भर से करीब 20 हजार से अधिक सफाई कर्मचारी हिस्सा लेंगे। नेताओं ने इसे अपने आत्म-सम्मान, रोजगार की सुरक्षा और हक प्राप्ति के लिए एक ऐतिहासिक लड़ाई बताया।

प्रमुख नेतृत्व और व्यवस्था...इस विशाल आयोजन को पंजाब प्रधान अशोक सरवन, महासचिव महेश गैचड़, फतेह चंद, सुनील पटियाला, हंसराज राजपुरा, गुलशन बरनाला, प्रदीप सूद, अमित खरल, अशोक कौशल, मनोज गोनेआना, सतपाल अनजान, मनोज धूरी, अजय बेदी, सुनील गागट, रमेश भंवर, कुलदीप कांगड़ा, सुखदेव काई और विजय मुक्तसर सहित कई प्रमुख नेताओं ने संबोधित किया। जगरांव इकाई के जिला प्रधान अरुण गिल, सनी, सुंदर कुमार, रजिंदर कुमार, राकेश कुमार नोनी और उनकी पूरी टीम ने आयोजन की बेहतरीन व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम की शुरूआत संतोष राम गिल के धार्मिक शबद गायन से हुई, जिसके बाद आए हुए सभी कर्मचारियों के लिए लंगर की सेवा की गई।

मांगों के लिए आर-पार की लड़ाई का संकल्प...बैठक का समय सुबह 10 बजे निर्धारित था, लेकिन कर्मचारियों का उत्साह ऐसा था कि वे सुबह 8 बजे से ही जुटने शुरू हो गए थे। नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के कर्मचारियों की भारी भीड़ ने इस आयोजन को राज्य स्तरीय शक्ति प्रदर्शन में बदल दिया। वक्ताओं ने सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर शहर को साफ रखने वाले कर्मचारियों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पंजाब सफाई सेवक यूनियन के मुख्य सलाहकार कुलदीप शर्मा ने दो टूक शब्दों में कहा, स्केंद्र और राज्य सरकारों ने हमेशा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार किया है। अब वक्त आ गया है कि सरकार अपनी नीतियां बदले और हमारी जायज मांगों को गंभीरता से ले।

सुरभि के अंडर-19 राष्ट्रीय क्रिकेट कैंप से वापिस लौटने पर एचडीसीए ने किया भव्य स्वागत

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/14 जून। एचडीसीए की युवा होनहार महिला खिलाड़ी व वुडलैंड स्कूल की छात्रा सुरभि नारायण अंडर-19 राष्ट्रीय क्रिकेट कैंप में भाग लेने उपरांत वापिस लौटने पर एचडीसीए ने उसका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर एचडीसीए सचिव डा. रमन घई ने बताया कि सुरभि बैंगलोर में एक माह के राष्ट्रीय कैंप में भाग लेकर लौटी है तथा उसके लौटने पर एचडीसीए के प्रशिक्षक स्टाफ व सुरभि की कोच दविंदर कौर कल्याण ने उनका स्वागत किया। डा. घई ने बताया कि सुरभि होशियारपुर की होनहार खिलाड़ी है और वह जल्द ही राष्ट्रीय व आईपीएल जैसे मैचों में स्थान बनाएगी। उन्होंने बताया कि कैंप में राष्ट्रीय प्रशिक्षकों से उसे क्रिकेट की

बारीकियां सीखने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि सुरभि की उपलब्धियों से अन्य युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी और वह क्रिकेट में और भी बढ़िया प्रदर्शन करके होशियारपुर का नाम रोशन करेंगे। इस मौके पर एचडीसीए अध्यक्ष डा. दलजीत खेला, विवेक साहनी, ठाकुर जोगराज, डा. पंकज शिव आदि ने भी सुरभि को लौटने पर बधाई देते हुए शुभकामनाएं भेंट की। इस अवसर पर एचडीसीए की महिला कोच दविंदर कौर, सहायक कोच नितिका कुमारी, जिला कोच दलजीत सिंह, सहायक कोच परवीन कुमार, पंकज पिंका, दिनेश शर्मा, अशोक शर्मा आदि ने भी सुरभि का स्वागत किया।

हलवारा हवाई अड्डे पर 15 जून को मनाया जाएगा 'यात्री सुविधा दिवस'

हलवारा/यूटर्न/14 जून। हलवारा हवाई अड्डे पर 15 जून 2026 को 'यात्री सुविधा दिवस' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध करवाना, उनके यात्रा अनुभव को और सुखद बनाना तथा हवाई अड्डे से जुड़े विभिन्न हितधारकों के योगदान को सम्मानित करना है।

कार्यक्रम के दौरान आगमन और प्रस्थान करने वाले यात्रियों का तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। हवाई अड्डे के सभी हितधारकों द्वारा सामूहिक रूप से

'वंदे मातरमस का गायन भी किया जाएगा। स्वच्छता और रखरखाव में अहम भूमिका निभाने वाले हाउसकीपिंग कर्मचारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही विमानन क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मियों के योगदान की भी सराहना की जाएगी।

यात्रियों और आगंतुकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सेल्फी बूथ लगाए जाएंगे तथा जन-जागरूकता के लिए सूचना बैनर प्रदर्शित किए जाएंगे। यात्रियों से सुझाव और प्रतिक्रिया लेने के लिए विशेष फीडबैक अभियान भी चलाया जाएगा। हवाई अड्डे के निदेशक जगिर सिंह ने यात्रियों, सुरक्षा कर्मियों और सभी हितधारकों को कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यात्रियों के सुझावों के आधार पर सुविधाओं में निरंतर सुधार किया जाएगा।

सुषमा क्रिसेंट बनी जीरकपुर की पहली सोसायटी, जिसने अपनाई आधुनिक कम्पोस्टिंग तकनीक

जीरकपुर/यूटर्न/14 जून। एक अप्रैल से लागू हुए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियम-2026 के तहत बड़े पैमाने पर कचरा उत्पन्न करने वाली हाउसिंग सोसाइटियों, होटलों, रेस्टोरेंटों और मैरिज पैलेसों को अपने स्तर पर ही कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन और निपटान की व्यवस्था करनी होगी। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए जीरकपुर की सुषमा क्रिसेंट हाउसिंग सोसायटी ने ऑर्गेनिक कचरे के प्रबंधन के लिए आधुनिक एरोबिन कम्पोस्टर स्थापित किया है।स्वच्छ भारत मिशन के आईईसी प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर सुखविंदर सिंह देओल ने सोसायटी निवासियों को नए नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों के अनुसार बड़े कचरा उत्पादकों के लिए अपने परिसर में ही कचरे का उचित निपटान सुनिश्चित करना अनिवार्य किया गया है।

इन दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए सुषमा क्रिसेंट में पेटेंटेड एरोबिन कम्पोस्टर लगाया गया है। इसके साथ ही यह जीरकपुर की पहली ऐसी हाउसिंग सोसायटी बन गई है जिसने ऑर्गेनिक कचरे के प्रबंधन के लिए इस आधुनिक तकनीक को अपनाया है। यह परियोजना आईपीसीए (IPCA) की तकनीकी सलाह और सहयोग से स्थापित की गई है। इस पहल से न केवल सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट को बढ़ावा मिलेगा बल्कि कचरा प्रबंधन संबंधी नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन को भी मजबूती मिलेगी। स्थापना के दौरान मौजूद सुखविंदर सिंह देओल ने सुषमा क्रिसेंट प्रबंधन और निवासियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहलें स्वच्छ, स्वस्थ और हरित वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम अन्य हाउसिंग सोसाइटियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाएगा। सोसायटी के निवासियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

मैगी में कीड़े होने के आरोपों के बाद रेगुलेटरी जांच शुरू; नेस्ले इंडिया ने दावों को नकारा

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। इस हफ़्ते सोशल मीडिया पर मैगी नूडल्स के एक पैकेट में कीड़े होने के आरोपों ने चिंता पैदा कर दी और रेगुलेटरी जांच शुरू हो गई। फूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ऋरअक) ने मामले का संज्ञान लिया और नेस्ले इंडिया से जवाब मांगा। हालांकि, कंपनी ने इन दावों को साफ तौर पर खारिज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि लैब टेस्ट में कीड़े होने का कोई सबूत नहीं मिला और प्रोडक्ट सभी फूड सेफ़्टी और क्वालिटी स्टैंडर्ड्स पर खरा उतरा है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पर मैगी नूडल्स के एक पैकेट में कीड़े होने की शिकायतें सामने आईं। इन शिकायतों के बाद, ऋरअकने कंपनी से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा। स्टॉक एक्सचेंज को दिए गए स्पष्टीकरण में नेस्ले इंडिया ने कहा कि ये आरोप एक अनवेरिफाइड सोशल मीडिया अकाउंट से आए थे। कंपनी ने बताया कि उसने जांच के लिए

शिकायतकर्ता से प्रोडक्ट का सैंपल लेने की कई बार कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला और अकाउंट होल्डर से संपर्क नहीं हो पाया।

नेस्ले इंडिया ने कहा कि अपनी स्टैंडर्ड प्रक्रिया के तहत, उसी बैच का एक रेफरेंस सैंपल ऋरअकद्वारा नोटिफाइड और नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेटरीज (NABL) से मान्यता प्राप्त एक इंडिपेंडेंट लैब में भेजा गया था। कंपनी के अनुसार, लैब को सैंपल में कोई कीड़ा या खराबी नहीं मिली। कंपनी ने आगे कहा कि बैच और मार्केट सैंपल पर किए गए टेस्ट से पुष्टि हुई कि प्रोडक्ट सभी लागू फूड सेफ़्टी और क्वालिटी स्टैंडर्ड्स का पालन करते हैं। उसने कहा कि डिटेल्ड क्वालिटी रिकॉर्ड, लैब रिपोर्ट और सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिए गए हैं।

कंपनी ने कहा, हम इन आरोपों को साफ तौर पर खारिज करते हैं। कंपनी का कहना है कि उसकी मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाएं सख्त क्वालिटी-कंट्रोल और फूड-सेफ़्टी प्रोटोकॉल का पालन करती हैं। भारत में मैगी की लोकप्रियता और फूड-सेफ़्टी से जुड़े विवादों में ब्रांड के पिछले अनुभवों को देखते हुए इस घटना ने लोगों का ध्यान खींचा है। जहां रेगुलेटरी अथॉरिटीज शिकायत की जांच कर रही हैं, वहीं नेस्ले इंडिया का कहना है कि सभी उपलब्ध सबूत और लैब के नतीजे उसके प्रोडक्ट्स की सेफ़्टी और क्वालिटी का समर्थन करते हैं।

लुधियाना में फर्जी फर्मों के जरिए टैक्स घोटाले का खुलासा, दो मामलों में केस दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग की शिकायत पर लुधियाना में फर्जी दस्तावेजों और कथित फर्जी फर्मों के जरिए टैक्स घोटाले का मामला सामने आया है। विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार स्टेट टैक्स अधिकारियों की शिकायत पर दो अलग-अलग फर्मों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं 318(1), 319(2), 338, 336(3) और 340(2) के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। पहले मामले में एस.के. ट्रेडिंग कंपनी, स्ट्रीट नंबर-3, भगवान नगर, लुधियाना का नाम सामने आया है। विभाग की ओर से आरोप लगाया गया है कि फर्म के प्रोपराइटर/लाभकारी मालिक द्वारा कथित तौर पर गलत दस्तावेजों और संदिग्ध कारोबार के जरिए टैक्स नियमों का उल्लंघन किया गया। इस संबंध में स्टेट टैक्स अधिकारी, वार्ड नंबर-17 की शिकायत पर कार्रवाई की गई।

दूसरे मामले में मैसर्स वाहेगुरु इंडस्ट्रीज के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दस्तावेजों के अनुसार स्टेट टैक्स अधिकारी, वार्ड नंबर-26 की शिकायत पर फर्म के प्रोपराइटर/लाभकारी मालिक के खिलाफ जांच शुरू की गई है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक ऐसे मामलों में फर्जी बिलिंग, गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट और कागजी कारोबार के जरिए सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने की आशंका रहती है। पुलिस और टैक्स विभाग अब इन फर्मों के बैंक लेन-देन, बिलिंग रिकॉर्ड और जीएसटी रिटर्न की जांच कर रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद और नाम सामने आ सकते हैं।

सीए राजिंदर मोहन सिंगला के बेटे मेहुल को आईआईएम बेंगलुरु में मिली ₹1 लाख स्कॉलरशिप

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। सीए राजिंदर मोहन सिंगला के पुत्र मेहुल सिंगला ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के दम पर आईआईएम बेंगलुरु में शानदार प्रदर्शन करते हुए परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। मेहुल सिंगला ने आईआईएम बेंगलुरु में अपने पहले वर्ष की पढ़ाई उत्कृष्ट रैंक के साथ पूरी की है। मेहुल ने न केवल शैक्षणिक स्तर पर बेहतरीन परिणाम हासिल किए, बल्कि Strategy, Operations और Organisational Behaviour जैसे महत्वपूर्ण कोर्सों में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त कर विशेष पुरस्कार भी हासिल किया। इस उपलब्धि के लिए उन्हें एक लाख रुपये की स्कॉलरशिप से भी सम्मानित किया गया। मेहुल सिंगला की यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो बड़े संस्थानों में भी पहचान बनाई जा सकती है। उनके पिता सीए राजिंदर मोहन सिंगला ने कहा कि मेहुल की सफलता पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मेहुल ने साबित किया है कि निरंतर मेहनत, सकारात्मक सोच और अनुशासन सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन, 90 यूनिट रक्त एकत्रित

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर यूथ वेलफेयर क्लब, गांव दरिया, चंडीगढ़ तथा वार्ड नंबर-9 के भाजपा कार्यकताओं के सहयोग से शनिवार को रक्तदान शिविर, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में ग्रेशियन हॉस्पिटल, चंडीगढ़ की विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं मेडिकल टीम ने लोगों के स्वास्थ्य और आंखों की जांच की। इस दौरान करीब 90 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जबकि लगभग 400 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्र जांच करवाई। इसके अलावा कई लोगों ने विभिन्न प्रकार के मेडिकल टेस्ट भी करवाए। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय टंडन, प्रदेश महामंत्री रामवीर भट्टी, जिला प्रधान भूपेंद्र सिंह सैनी, युवा मोर्चा अध्यक्ष अभय कुमार झा, जिला महामंत्री राम शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष अरविंद सिंह, राम चौधरी, जिला सचिव गोपाल बेंजवाल, अंतरजीत सिंह सैनी, नंद कुमार यादव, बलवंत सिंह, कुलदीप सिंह, बलजीत सिंह सैनी, अमित सिंह तथा जसबीर सिंह पंच सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मौलीजागरां में युवक की हत्या, 10-15 हमलावरों ने किया हमला

चंडीगढ़। मौलीजागरां क्षेत्र में रविवार रात करीब 9 बजे एक युवक की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना मौलीजागरां स्थित शीशम वाली गली की बताई जा रही है, जहां 10 से 15 हमलावरों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया।

मृतक की पहचान तोता के रूप में हुई है, जबकि हमले में बिल्ला उर्फ आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने दोनों युवकों पर अचानक हमला कर दिया। हमले में तोता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बिल्ला उर्फ आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री मावां-धीयां सम्मान योजना: विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने महिला सम्मान सखियों से पंजीकरण अभियान में तेजी लाने की अपील की

जीरकपुर में सम्मान सखियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को किया संबोधित

जीरकपुर/यूटर्न/14 जून। पंजाब सरकार की जनकल्याणकारी योजना 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सम्मान योजना' के तहत अधिक से अधिक पात्र महिलाओं का पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए हलका विधायक सरदार कुलजीत सिंह रंधावा ने जीरकपुर में चल रहे महिला सम्मान सखियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए उन्हें पंजीकरण प्रक्रिया में और तेजी लाने का आह्वान किया। विधायक रंधावा ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा 1 जुलाई से योजना के लाभार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि हलका डेराबस्सी की कोई भी पात्र महिला इस योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक पात्र महिला को प्रति माह 1000 रुपये तथा अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता दी जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विधायक रंधावा ने महिला सम्मान सखियों को घर-घर जाकर पात्र महिलाओं का पंजीकरण करने, आधार कार्ड लिंक करवाने, बैंक खातों की जानकारी अपडेट करवाने, मतदाता पहचान पत्र की पुष्टि करवाने तथा आवश्यक दस्तावेज तैयार करवाने में सहायता करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सम्मान सखियां इस योजना को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। विधायक रंधावा ने कहा कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और आर्थिक मजबूती के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उनके सम्मान और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की सभी पात्र महिलाएं, जिनके पास वैध आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र है, इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र हैं। उन्होंने सम्मान सखियों को आश्वस्त किया कि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

जनहित मुद्दों को लेकर पुलिस कमिश्नर से अहम मुलाकात

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। शहर से जुड़े विभिन्न जनहित मुद्दों और लोगों की समस्याओं को लेकर आज पुलिस कमिश्नर श्वपन शर्मा से अहम मुलाकात की गई। बैठक के दौरान शहर में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने, ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने और लोक कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस मौके पर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पेश आ रही ट्रैफिक समस्या, सार्वजनिक सुरक्षा, गलत पार्किंग, नशे के खिलाफ कार्रवाई और आम लोगों की शिकायतों के जल्द समाधान जैसे मुद्दे भी उठाए गए। बैठक में मौजूद नेताओं ने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान करना और शहर में बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुलाकात के दौरान माननीय विधायकगण और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। पुलिस कमिश्नर श्वपन शर्मा ने भरोसा दिलाया कि शहरवासियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पुलिस प्रशासन लगातार गंभीरता से काम कर रहा है और जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

पक्के होने की खुशी में कच्चे कर्मचारियों की बैठक, संघर्ष को बताया जीत की कुंजी

अन्य विभागों के कर्मचारियों को भी नियमित करने की उठी मांग, सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी

जीरकपुर/यूटर्न/14 जून। बिजली बोर्ड के कच्चे कर्मचारियों ने नियमित होने की खुशी में अपने साथियों का उत्साह बढ़ाने के लिए एक विशेष बैठक आयोजित की। इस दौरान यूनियन नेता एकम सिद्धू (मोहाली) ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि यह जीत लंबे संघर्ष और एकजुटता का परिणाम है। बैठक में कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनका हार पहनाकर सम्मान किया गया। एकम सिद्धू ने कहा कि कर्मचारियों की यह सफलता संघर्ष की ताकत का प्रतीक है। बैठक के दौरान भविष्य की रणनीति पर भी चर्चा की गई और कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया ताकि कार्यस्थल पर होने वाले हादसों से बचा जा सके।

उन्होंने बताया कि अन्य विभागों में कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को भी नियमित करवाने के लिए संघर्ष तेज करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में वेरका मिल्क प्लांट, विभिन्न थर्मल प्लांटों, सुखमनी स्कूल, एनसीसी कर्मचारियों, अध्यापकों तथा अन्य

सरकारी संस्थानों में कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग का समर्थन किया गया। इसके अलावा 2600 एएलएम कर्मचारियों को रोजगार देने और किसान संगठनों समेत विभिन्न कर्मचारी आंदोलनों के समर्थन में भी आवाज बुलंद की गई। कर्मचारियों ने पंजाब सरकार की कच्चे कर्मचारियों के प्रति नीतियों के विरोध में नारेबाजी करते हुए मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की।

बैठक में मौजूद कर्मचारियों ने कहा कि एकता और संघर्ष के बल पर ही अधिकार हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार से अपनी मांगें मनवानी हैं तो संगठित होकर संघर्ष करना जरूरी है। इस अवसर पर डिवीजन प्रधान अमनिंदर सिंह गोलू, उपप्रधान सुखविंदर सिंह सुखी, पेंशन संगठन के प्रधान राजिंदर कुमार, हरदीप सिंह, जगमोहन सिंह, रोहित शर्मा सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेड कॉस्ट्यूम ड्रेस में दीपिका पादुकोण का ग्लैमरस अंदाज छाया

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपने स्टाइल और आत्मविश्वास भरे लुक्स के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। रेड कॉस्ट्यूम ड्रेस में उनका ग्लैमरस अंदाज फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। उनके इस लुक में एलिगेंस, स्टाइल और बोल्ड फैशन का शानदार मेल देखने को मिला। सोशल मीडिया पर फैंस दीपिका की खूबसूरती और फैशन सेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। दीपिका का यह अंदाज साबित करता है कि आत्मविश्वास और स्टाइल ही असली ग्लैमर है।

रेस्टोरेंट बना चोरों का निशाना, लाखों के डीजे उपकरण चोरी

ताले तोड़कर रेस्टोरेंट में घुसे चोर, म्यूजिक सिस्टम लेकर फरार, द ब्रू बैरल्स रेस्टोरेंट में सेंध, दो डीजे कंसोल और मिक्सर चोरी

जीरकपुर/यूटर्न/14 जून। शहर के रॉयल एस्टेट-2 स्थित एक रेस्टोरेंट में चोरों ने देर रात सेंध लगाकर लाखों रुपये कीमत के म्यूजिक उपकरण चोरी कर लिए। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब सुबह सुरक्षा गार्ड ने रेस्टोरेंट के मुख्य दरवाजे के ताले टूटे होने की सूचना प्रबंधन को दी। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में चंडीगढ़ निवासी गगनवीर सिंह ने बताया कि वह रॉयल एस्टेट-2 स्थित 'द ब्रू बैरल्स' रेस्टोरेंट में मैनेजर के तौर पर कार्यरत हैं। रेस्टोरेंट रोजाना रात करीब 11:30 बजे बंद होता है और स्टाफ के जाने तक करीब 12:30 बज जाते हैं। गगनवीर सिंह के मुताबिक 10 जून की सुबह करीब पांच बजे सुरक्षा गार्ड सेठपाल का फोन आया कि रेस्टोरेंट के ताले टूटे हुए हैं। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे और अंदर जाकर जांच की। जांच के दौरान रेस्टोरेंट में रखे दो डीजे कंसोल और एक साउंड मिक्सर गायब मिले।

लुधियाना में गाड़ी की क्रॉसिंग को लेकर विवाद, एक पक्ष ने की फायरिंग

लुधियाना/यूटर्न/14 जून। थाना मॉडल टाउन के अधीन आते इलाके में गाड़ी की क्रॉसिंग को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद अचानक गंभीर रूप ले गया। बहस इतनी बढ़ गई कि एक पक्ष द्वारा फायरिंग कर दी गई, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी तरह के जानी या माली नुकसान की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, दो पक्षों के बीच गाड़ी निकालने को लेकर कहासुनी शुरू हुई थी। देखते ही देखते बहस बढ़ गई और मामला टकराव तक पहुंच गया। इसी दौरान एक पक्ष ने गोली चला दी। फायरिंग के बाद आरोपी पक्ष गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से गोली का खोल बरामद किया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नीट पेपर लीक मामले में भाजपा सरकार के खिलाफ चंडीगढ़ युवा कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जून। नीट पेपर लीक मामले को लेकर आज चंडीगढ़ युवा कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व चंडीगढ़ युवा कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक लुबाना एवं जिला अध्यक्ष रवि राणा ने किया। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब, सांसद मनीष तिवारी, चंडीगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष एच.एस. लक्की, चंडीगढ़ कांग्रेस प्रभारी सत्यवान गहलोत तथा कांग्रेस महासचिव लव कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार के शासनकाल में लगातार पेपर

लीक, परीक्षा घोटाले और भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताएं सामने आ रही हैं, जिससे देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की विफल नीतियों और लापरवाही के कारण मेहनत करने वाले छात्रों का विश्वास परीक्षा प्रणाली से उठता जा रहा है। राष्ट्रीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि नीट पेपर लीक केवल एक परीक्षा में हुई गड़बड़ी नहीं, बल्कि लाखों छात्रों के सपनों और उनकी वर्षों की मेहनत पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। एक ओर देश का युवा बेरोजगारी से जूझ रहा है और दूसरी ओर भर्ती परीक्षाओं तथा प्रवेश परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं। संसद मनीष तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार की नाकामी का खामियाजा देश के छात्र भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार देने और निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में असफल रही है। भाजपा के शासन में मेहनत और योग्यता से ज्यादा पेपर माफियाओं का बोलबाला दिखाई दे रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एच एस लक्की ने कहा कि भाजपा सरकार ने युवाओं को रोजगार, शिक्षा और अवसरों के बड़े-बड़े सपने दिखाए थे, लेकिन आज देश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

शिमला के संजौली में स्कूल संचालिका की गोली मारकर हत्या

शिमला/यूटर्न/14 जून। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली क्षेत्र में स्थित सरस्वती पैराडाइज स्कूल की संचालिका मनीषा मित्तल की गोली मारकर हत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है।

प्रत्यक्षदर्शी और स्कूल के सिक्योरिटी गार्ड यशपाल ने बताया कि मनीषा मित्तल घटना से करीब 10 से 15 मिनट पहले स्कूल परिसर से बाहर गई थीं। इसी दौरान उन पर अज्ञात हमलावरों

ने गोली चला दी। गोली लगने के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटाने के साथ-साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस हमलावरों की पहचान और हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। इस हत्या की घटना से स्थानीय लोगों में भारी रोष है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया जा रहा है।

WhatsApp Business में आई बड़ी तकनीकी गड़बड़ी? 'Delete for Everyone' और 'Edit Message' फीचर ने किया काम करना बंद

नई दिल्ली। लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म WhatsApp पर गुरुवार को एक संभावित तकनीकी गड़बड़ी देखने को मिली, जिससे WhatsApp Business अकाउंट इस्तेमाल करने वाले हजारों यूजर्स प्रभावित हुए। कई यूजर्स ने शिकायत की कि उन्हें भेजे गए संदेशों को हटाने के लिए मिलने वाला "Delete for Everyone" विकल्प दिखाई नहीं दे रहा था। इसके साथ ही कुछ यूजर्स ने यह भी दावा किया कि "Edit Message" फीचर भी काम नहीं कर रहा था।

यूजर्स के अनुसार, जब वे किसी बिजनेस अकाउंट चैट में भेजे गए मैसेज को हटाने की कोशिश कर रहे थे, तब केवल "Delete for Me" का विकल्प दिखाई दे रहा था, जबकि "Delete for Everyone" का विकल्प गायब था। इतना ही नहीं, कुछ मामलों में सामान्य व्हाट्सऐप यूजर्स द्वारा बिजनेस अकाउंट को भेजे गए संदेशों को हटाने की कोशिश करने पर स्क्रीन पर संदेश दिखाई दिया कि यह संदेश बिजनेस यूजर की चैट से डिलीट नहीं किया जा सकता। इस समस्या को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बड़ी संख्या में यूजर्स ने अपनी शिकायतें साझा कीं। कई लोगों ने स्क्रीनशॉट और वीडियो पोस्ट कर दावा किया कि यह समस्या अलग-अलग शहरों और देशों में भी देखने को मिली।

हालांकि, अभी तक WhatsApp या उसकी मूल कंपनी Meta की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि यह कोई अस्थायी तकनीकी गड़बड़ी थी या फिर किसी नए सॉफ्टवेयर अपडेट से जुड़ी समस्या। तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बड़ी संख्या में यूजर्स एक जैसी समस्या का सामना कर रहे हैं, तो इसके पीछे सर्वर संबंधी दिक्कत या किसी नए अपडेट का प्रभाव हो सकता है। फिलहाल यूजर्स व्हाट्सऐप की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं। यदि यह गड़बड़ी लंबे समय तक बनी रहती है, तो लाखों बिजनेस अकाउंट यूजर्स के लिए यह परेशानी का कारण बन सकती है, क्योंकि संदेशों को संपादित और हटाने की सुविधा उनके रोजमर्रा के संवाद का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

घरेलू विवाद में मजदूर की हत्या, 24 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

पंचकूला/यूटर्न/14 जून। नाडा साहिब क्षेत्र में घरेलू कहासुनी के दौरान एक दिहाड़ी मजदूर की हत्या के मामले में पंचकूला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को वारदात के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई कस्सी भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार 12 जून की रात नाडा गांव में किराये पर रहने वाले 33 वर्षीय रवि की सिर पर गंभीर चोट लगने के बाद मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलने पर थाना चंडीमंदिर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी की तबीयत खराब होने के कारण उसका देवर मिथुन घर के कामकाज में मदद कर रहा था। इसी बात को लेकर मिथुन के साथ रहने वाले रिश्तेदार विक्की ने आपत्ति जताई, जिससे विवाद शुरू हो गया। परिजनों के अनुसार मृतक रवि ने बीच-बचाव करते हुए अपनी पत्नी का पक्ष लिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी और गाली-गलौज हुई।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372